

तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 ■ कार्तिक कृष्ण पक्ष-5 ■ वर्ष -42 ■ अंक-211 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 31 अक्टूबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

शराब व कोयला घोटाले में छग के कई शहरों में ईओडब्लू-एसीबी के छापे

रायपुर, भिलाई, 30 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ में शराब और कोयला घोटाले की जांच के बीच शुक्रवार सुबह ईओडब्लू-एसीबी ने बड़ी कार्रवाई की। रायपुर, भिलाई, बिलासपुर, राजनांदगांव और गरियाबंद में एक साथ कारोबारियों के घरों और दफ्तरों पर दबिश दी गई। टीमों ने दस्तावेजों के साथ वित्तीय लेन-देन और डिजिटल उपकरणों की भी जांच शुरू की है। राजधानी रायपुर में शराब कारोबारी अनवर ढेबर और वीआईपी स्टेट स्थित रियल एस्टेट कारोबारी सुदर्शन शर्मा के घर टीम पहुंची। यहां दस्तावेजों और अन्य जानकारियों की जांच की जा रही है। सुदर्शन शर्मा के ठिकाने पर कार्रवाई शराब घोटाले से जुड़ी बताई जा रही है।

राजनांदगांव में करीब 20 अधिकारियों की टीम ने वैभव गोलछा के सनसिटी स्थित मकान और जय बग्गा के घर व व्यावसायिक परिसर में छापा मारा। दोनों को पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा का करीबी बताया जा रहा है।

भिलाई-3 के वसुंधरा नगर में परिवहन कारोबारी जितेंद्र सिंह के घर सुबह करीब 8 बजे टीम पहुंची। वहीं, बिलासपुर के उसलापुर स्थित अलका एवेन्यू में कोयला कारोबारी शाहबाज खान के घर कोयला लेवी मामले में जांच की गई। भिलाई-3 के वसुंधरा नगर उत्तर स्थित आवासीय मकान में शुक्रवार तड़के आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्लू) और एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की संयुक्त टीम ने दबिश देकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। महिला डीएसपी के नेतृत्व में छह सदस्यीय इस विशेष जांच टीम ने नामी परिवहन व्यवसायी संतोष सिंह और मुकेश सिंह के



निवास पर एक साथ छापा मारा। सूत्रों के अनुसार, इस हाई प्रोफाइल कार्रवाई का सीधा संबंध प्रदेश के बहुचर्चित कोयला एवं शराब घोटाले से जोड़कर देखा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि बीते दिनों दुर्ग के प्रमुख परिवहन कारोबारी गुलशन बघेल

कारोबारियों के ठिकाने निशाने पर

के ठिकानों पर हुई छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेजी साक्ष्य और वित्तीय जानकारियां मिली थीं। उन्हीं जानकारियों और कड़ियों को जोड़ते हुए ईओडब्लू-एसीबी की टीम ने संतोष सिंह और उनके भाई मुकेश सिंह के ठिकाने पर यह गोपनीय कार्रवाई की है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, संतोष सिंह और मुकेश सिंह मूलतः परिवहन व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। हालांकि, संतोष सिंह का अधिकांश समय दिल्ली में बीतता था।

गोबरा नवापारा और राजिम में विमल पारख और राजा पारख से जुड़े प्रतिष्ठानों शांति विजय, नवकार ज्वेलर्स और राजा पारख के घर पर भी छापेमारी हुई। फिलहाल जांच एजेंसियों ने कार्रवाई में मिली सामग्री या दस्तावेजों को लेकर आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की है।

ईओडब्लू-एसीबी की टीम ने बिलासपुर में बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी की टीम ने उसलापुर स्थित अलका एवेन्यू में कोयला कारोबारी के ठिकाने पर दबिश दी है। कार्रवाई के दौरान टीम परिसर में मौजूद दस्तावेजों और अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों की बारीकी से जांच कर रही है। छापेमारी के दौरान दोनों परिसरों में बाहरी लोगों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है। जांच टीम बैंक खातों, वित्तीय लेन-देन, अचल संपत्तियों के दस्तावेज और मोबाइल फोन-लैपटॉप जैसे डिजिटल उपकरणों की जांच कर रही है। कार्रवाई पूरी होने के बाद ईओडब्लू की ओर से आधिकारिक जानकारी दिए जाने की संभावना है।



अब 5 घंटे में पहुंचेंगे जशपुर से रायपुर

रायपुर,30 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ को जल्द ही एक और नई फोरलेन सड़क की सौगात मिलने वाली है। रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर से छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदलने वाली है। इससे प्रदेश की अर्थव्यस्था को गति मिलेगी। साथ ही छत्तीसगढ़ और झारखंड के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। दोनों राज्यों के बीच आर्थिक, सामाजिक सामांजस्य तेजी से बढ़ेंगे। पर्यटन और उद्योग को नई ऊंचाई मिलेगी। साथ ही बिलासपुर, कोरबा और जशपुर में सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होगी। सबसे बड़ी और खास बात यह है कि लोग महज छह घंटे में जशपुर से रायपुर पहुंच सकेंगे। 700 किलेमीटर की सड़क में से 104 किमी की सड़क जशपुर से होकर गुजरेगी। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण जशपुर



जिले में आकार लेने लगा है। जशपुर में करीब 3 हजार 147 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही इस सड़क प्रोजेक्ट के पूरे होने से जशपुर का राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों और पड़ोसी राज्यों से सड़क संपर्क अधिक बेहतर और आसान होगा। बेहतर कनेक्टिविटी से जशपुर जिले में व्यापार, पर्यटन, कृषि आधारित गतिविधियों और रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे। इस निर्माणाधीन इकोनॉमिक कॉरिडोर की कुल लंबाई करीब 707 किलोमीटर है, जिसमें करीब 104 किलोमीटर सड़क जशपुर जिले से होकर गुजरेगी। यह फोरलेन सड़क रायपुर और धनबाद के बीच आवागमन को अधिक सुविधाजनक बनाने के साथ जशपुर, पत्थलगांव और आसपास के क्षेत्रों को व्यापक सड़क नेटवर्क से जोड़ने में कारगर साबित होगी। इससे प्रदेश की राजधानी रायपुर, न्यायधानी बिलासपुर, ऊर्जाधानी कोरबा और पड़ोसी राज्य झारखंड की ओर आवागमन की सुविधाओं में सुधार होने की उम्मीद है।

चक्रवात अर्नब से प्रभावित किसानों को शीघ्र मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलेक्टरों को तत्काल फसल क्षति का सर्वेक्षण कराने और पात्र किसानों को सहायता राशि उपलब्ध कराने के दिए निर्देश



रायपुर,30 अक्टूबर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चक्रवात अर्नब के कारण प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान को गंभीरता से लेते हुए सभी जिला कलेक्टरों को तत्काल फसल क्षति का सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रभावित किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें समय पर राहत मिल सके, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे। मुख्यमंत्री साय ने निर्देश दिए हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र आकलन कर आर.बी.सी. 6-4 के प्रावधानों एवं निर्धारित मानदंडों के अनुसार पात्र किसानों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण से लेकर सहायता राशि के वितरण तक की पूरी प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित किसानों को समय पर राहत मिल सके। चक्रवात 'अर्नब' से फसलों को हुए नुकसान के कारण हमारे अन्नदाता भाइयों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को फसल क्षति का तत्काल सर्वेक्षण कराने और प्रभावित किसानों को आर.बी.सी. 6-4 के प्रावधानों एवं निर्धारित मानदंडों के अनुसार शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में हम हर प्रभावित किसान के साथ मजबूती से खड़े हैं। हमारे अन्नदाताओं की मेहनत और उनके हितों की रक्षा के लिए हमारी सरकार सदैव प्रतिबद्ध है।

'अर्नब' के असर से धान की फसलों को नुकसान

गरियाबंद,30 अक्टूबर। बंगाल की खाड़ी से उठे तूफान ने धान खरीदी से पहले किसानों की परेशानी बढ़ा दी है. जिन खेतों में किसानों ने मेहनत कर फसल तैयार की थी, वे अब मौसम की मार झेल रहे हैं. साइक्लोन अर्नब के असर से देवभोग क्षेत्र में हजारों एकड़ फसल खराब होने के कगार पर पहुंच गई है. बताया जा रहा है कि सिनापाली, बाड़ीगांव, गिरशुल के अलावा झाखरपारा क्षेत्र के 20 से अधिक गांवों में पकी हुई धान की फसल पानी से भरे खेतों में बिछ गई है. घुटने भर पानी में खड़े किसान की तस्वीर उनकी परेशानी बयां करने के लिए काफी है. पानी से भरे खेतों में किसान एक-एक पौधे को सहेजने में जुटे हैं. वे कई पौधों को एक साथ बांधकर फसल बचाने की कोशिश कर रहे हैं. यह तस्वीर देवभोग तहसील के सिनापाली गांव की है, जहां किसान कपड़े की रस्सी से धान के पौधों को खड़ा कर रहे हैं, ताकि खेतों में भरे पानी से बालियां सड़ने न पाएं. साइक्लोन अर्नब ने केवल धान की फसल को ही नहीं, बल्कि मक्का, सब्जी और दलहन की फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है. तूफान के चलते कच्चे मकानों को भी क्षति पहुंची है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है.

तलाक के बाद डिग्रियों में पुराना नाम लौटाना आसान

बिलासपुर, 30 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने तलाक के बाद शैक्षणिक दस्तावेजों में अपना मूल नाम दोबारा दर्ज कराने की मांग करने वाली महिला को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वैवाहिक स्थिति बदलने के बाद महिला के नाम में संशोधन की मांग को केवल नियमों का हवाला देकर खारिज नहीं किया जा सकता। जस्टिस एके प्रसाद की सिंगल बेंच ने बिलासा कन्या महाविद्यालय को मूल नाम से संशोधित डिग्रियां जारी करने का निर्देश दिया है।मामला बिलासपुर निवासी सुरभि यादव का है। उन्होंने स्कूली शिक्षा अपने मूल नाम से पूरी की थी। वर्ष 2012 में राजिक अहमद अंसारी से विवाह के बाद उनका नाम सुहाना अंसारी हो गया। इसके बाद उन्होंने बिलासा कन्या महाविद्यालय से बीएससी, एमएससी सहित अन्य पाठ्यक्रमों की पढ़ाई इसी नाम से पूरी की और डिग्रियां प्राप्त कीं।वर्ष 2022 में फैमिली कोर्ट ने उनकी शादी निरस्त कर दी। इसके बाद सुरभि ने आधार कार्ड, निवास और जाति प्रमाण पत्र सहित सरकारी दस्तावेजों में अपना पुराना नाम दर्ज करा लिया, लेकिन शैक्षणिक दस्तावेजों में संशोधन नहीं हो सका। अलग-अलग नाम होने के कारण उन्हें सरकारी नौकरी के आवेदन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।कॉलेज प्रबंधन और विश्वविद्यालय से राहत नहीं मिलने पर उन्होंने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि नाम में बदलाव से छात्रा की योग्यता, अंक, श्रेणी या पढ़ाई की अवधि प्रभावित नहीं होती।कोर्ट ने कॉलेज प्रबंधन को आवश्यक शपथ पत्र, निर्धारित शुल्क और राजपत्र प्रकाशन जैसी औपचारिकताएं पूरी कर संशोधित डिग्रियां जारी करने का निर्देश दिया है। अटल विश्वविद्यालय को भी सहयोग करने को कहा गया है। पूरी प्रक्रिया छह सप्ताह के भीतर पूरी करनी होगी।

संजू त्रिपाठी हत्याकांड: भाई, पिता समेत सभी 22 आरोपी दोषमुक्त

बिलासपुर,30 अक्टूबर। बहुचर्चित संजू त्रिपाठी हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है. मामले में कपिल त्रिपाठी पक्ष के अधिवक्ता आदित्य तिवारी ने बताया कि सभी पक्षों को सुनने के बाद बिलासपुर जिला न्यायालय ने सभी 22 आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया है.

बता दें कि 14 दिसंबर 2022 को सकरी बाइपास में कुदुदंड निवासी हिस्ट्रीशीटर और कांग्रेस नेता संजू त्रिपाठी की हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी. पुलिस ने पारिवारिक और जमीन विवाद को हत्या की साजिश की वजह बताते हुए मामले में संजू त्रिपाठी के भाई कपिल त्रिपाठी को मुख्य आरोपी मानते हुए जांच शुरू की. मामले में कपिल त्रिपाठी के साथ ही उसके पिता जयनारायण त्रिपाठी, पत्नी सुचित्रा त्रिपाठी, मुंह बोली बहन कल्याणी, जीजा भरत तिवारी, आशीष तिवारी, रवि तिवारी, उसके दोस्तों में प्रेम श्रीवास, सुमीत निर्मलकर, अमन गुप्ता, राजेंद्र सिंह ठाकुर, केदार सिंह और रवि सिंह के साथ ही उत्तरप्रदेश निवासी सावन पाठक, अभिषेक मिश्रा, वाल्मिकी उर्फ पप्पू दाढ़ी और ताबिज अंसारी समेत 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया था.

वैन के बोनट और स्टेपनी में छिपाकर रखा पैंगोलिन का 14 किलो शल्क जब्त

बचेली/दंतेवाड़ा,30 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में वन विभाग ने पैंगोलिन के शल्क की तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। बचेली वन परिक्षेत्र के रेंजर डॉ. प्रीतेश कुमार पांडे को मिली सूचना के आधार पर गीदम में घेराबंदी कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। टीम ने आरोपियों के कब्जे से करीब 14 किलो पैंगोलिन शल्क बरामद किया है। तस्करी में इस्तेमाल एक मारुति ईको वैन और दो बाइक भी जब्त की गई हैं। वन विभाग के मुताबिक, तस्कर शल्क को ईको वैन के बोनट और स्टेपनी के अंदर छिपाकर ले जा रहे थे। प्रारंभिक जानकारी में जब्त शल्क को 6 से 7 पैंगोलिन को मारकर जुटाया गया बताया गया है। जानकारी के अनुसार, बचेली रेंजर डॉ. प्रीतेश कुमार पांडे को मुखबिर



से सूचना मिली थी कि कुछ लोग मारुति ईको वैन में पैंगोलिन के शल्क लेकर जगदलपुर की ओर जाने वाले हैं। संदिग्ध वाहन के गीदम थाना क्षेत्र में मौजूद होने की जानकारी भी मिली थी। रेंजर पांडे ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी। इसके बाद डीएफओ वाय. रंगनाथा रामकृष्णा के निर्देश पर गीदम एसडीओ शिवेन्द्र सिंह और गीदम रेंजर शिव टंडन के साथ संयुक्त टीम गठित की गई। वन विभाग की टीम ने योजना के तहत गीदम पुलिस थाने के सामने नाकाबंदी की और संदिग्ध ईको वैन को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन के इंजन बोनट और स्टेपनी के अंदर छिपाकर रखा गया करीब 14 किलो पैंगोलिन शल्क बरामद हुआ। वाहन में सवार तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उनसे मिली जानकारी के आधार पर टीम ने जावंगा एजुकेशन सिटी के पास भी दबिश दी। वहां बाइक पर शल्क लेकर मौजूद तीन अन्य लोगों को पकड़ा गया। इस तरह मामले में कुल 6 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई।

शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर डॉक्टर से 34 लाख की ठगी

रायगढ़,30 अक्टूबर। शेयर ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर रायगढ़ के एक डॉक्टर से 34 लाख रुपये से अधिक की ऑनलाइन ठगी के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच के दौरान रायगढ़ पुलिस ने मध्यप्रदेश के इंदौर में दबिश देकर तीन युवतियों और दो युवकों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर साइबर ठगी से जुड़े बैंक खातों और लेनदेन की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, डॉ. दिलीप कुमार मिश्रा ने 27 मई को साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मार्च 2025 में सुनील नामक व्यक्ति ने उनसे संपर्क कर स्मार्टन ट्रेड कंपनी में निवेश करने पर भारी मुनाफे का लालच दिया। व्हाट्सएप पर पोर्टफोलियो भेजकर लगातार बढ़ता मुनाफा दिखाया गया और अलग-अलग समय पर रकम निवेश कराई गई। जब डॉक्टर ने पैसे निकालने की कोशिश की, तो रकम नहीं मिली और उनसे अतिरिक्त निवेश करने का दबाव बनाया जाने लगा।इसी दौरान दूसरे साइबर अपराध की जांच में बैंक खाते के कथित दुरुपयोग और कमीशन के लेनदेन का मामला सामने आया। जांच के दौरान दोनों मामलों के बीच संपर्क के सुराग मिले। एक कॉमन मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस इंदौर पहुंची और अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बालोद में कार के अंदर मिला चिट्टा और देशी पिस्टल

बालोद,30 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने नशीले पदार्थों और अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नया बस स्टैंड के पीछे खड़ी टाटा हेक्सा कार की तलाशी के दौरान करीब 6.40 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) और एक देशी पिस्टल बरामद की। कार्रवाई में मोबाइल फोन और कार सहित कुल 11 लाख 83 हजार रुपये की सामग्री जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 28 अक्टूबर की रात मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। सूचना थी कि नया बस स्टैंड बालोद के पीछे सफेद रंग की टाटा हेक्सा कार (क्रमांक CG 17 KM 4455) खड़ी है। कार में चालक की सीट पर मौजूद व्यक्ति के पास हेरोइन और देशी पिस्टल होने की जानकारी



मिली थी। पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना और एसडीओपी बालोद विनय साहू के मार्गदर्शन में जिले में नशे और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया और ANTF की टीम गवाहों के साथ मौके पर पहुंची। वहां कार की चालक सीट पर एक व्यक्ति संदिग्ध हालत में बैठा मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम लीनेश बंसोड़ उर्फ बाडू (25 वर्ष), पिता सुनील बंसोड़, निवासी वार्ड क्रमांक 21, रेलवे कॉलोनी, जिला बालोद बताया। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो डैशबोर्ड के अंदर पारदर्शी झिल्ली में रखी हेरोइन और एक देशी पिस्टल मिली।

भूटान में ग्लेशियर झील फूटी कई इलाकों में मची तबाही

थिंपू,30 अक्टूबर। भूटान की ग्लेशियर शिंताफू झील फटने की खबर है। गुरुवार देर रात जोरदार ब्लास्ट के साथ भूटान की शिंताफू झील के फट गई। इसके बाद पानी का तेज सैलाब सबकुछ बहा ले गया। भूटान में ग्लेशियर झील फटने के बाद बना सैलाब भारत की ओर बढ़ रहा है। ये महासैलाब बंगाल-असम की ओर बढ़ रहा है। इसके कारण नॉर्थ बंगाल और असम में हाईअलर्ट जारी किया गया है। चेतावनी दी गई है कि संकोश नदी के जलस्तर में अचानक भारी बढ़ोतरी हो सकती है। असम के धुबरी जिले के अलावा, उत्तरी बंगाल के कुछ हिस्सों – जिसमें दार्जिलिंग की पहाड़ियां और अलीपुरद्वार तथा जलपाईगुड़ी जिले शामिल हैं, में भी अलर्ट जारी किया गया है। शिंताफू झील से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड के खतरे को देखते हुए पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में अलर्ट जारी है। करीब 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों और राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। NDRF-SDRF की टीमों को तैनात कर दिया गया है। ल से बाहर निकला पानी मोफू नदी के रास्ते सोनकोश नदी की ओर बढ़ रहा है। इस वजह से एक तरफ भूटान के लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ बंगाल और असम में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। बता दें कि शिंताफू झील, भूटान की उन 17 झीलों में से एक है.

किसानों को मुआवजा और कर्ज माफी के लिए विधायक देवेंद्र ने सीएम को लिखा पत्र

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भिलाई, 30 अक्टूबर। प्रदेश में अर्नब चक्रवात के प्रभाव से हुई भारी बारिश के कारण किसानों की फसलों को हुए नुकसान को लेकर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा देने और उनके कृषि ऋण माफ करने की मांग की है। विधायक देवेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र में उल्लेख किया है कि चक्रवात के कारण प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। इस दौरान किसानों की फसलें कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थीं, लेकिन अचानक हुई भारी बारिश और खेतों में जलभराव के चलते फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। इससे किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अधिकांश किसान कृषि पर निर्भर हैं। फसल बर्बाद होने से न केवल उनकी साल भर की मेहनत प्रभावित हुई है, बल्कि आगामी खेती-किसानी, परिवार के भरण-पोषण और आर्थिक जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल हो गया है। विधायक ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देशित कर प्रभावित क्षेत्रों में फसलों के नुकसान का सर्वे कराया जाए। साथ ही प्रभावित किसानों को शीघ्र उचित मुआवजा प्रदान किया जाए और संकट की स्थिति को देखते हुए उनके कृषि ऋण माफ करने की घोषणा की जाए। विधायक देवेंद्र यादव रोड बचाओ, देश बचाओ कार्यक्रम के सिलसिले में मुंगेली जिले के प्रवास पर थे। इस दौरान रास्ते में खेतों में रुके और किसानों से मुलाकात कर बारिश से हुए फसल नुकसान की जानकारी ली। चर्चा के दौरान किसानों ने अपनी फसलों को हुए भारी नुकसान और उससे उत्पन्न आर्थिक परेशानियों से उन्हें अवगत कराया।

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी तेज, जोनों में मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य जारी



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 अक्टूबर। आगामी नगरीय निकाय निर्वाचन को लेकर नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में मतदाता सूची पुनरीक्षण एवं दावा-आपत्ति निराकरण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। निगम के पांचों जोनों में निर्धारित दिशानिर्देशों के तहत मतदाता सूची से संबंधित कार्य किया जा रहा है। इस दौरान प्रपत्र 'क' एवं परिशिष्ट-15 भरवाकर आवश्यक जानकारी और दस्तावेजों का सत्यापन कराया जा रहा है। कार्य को व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) एवं ऑपरेटरों की ड्यूटी लगाई गई है। मतदाता सूची से संबंधित दस्तावेजों एवं प्रपत्रों की नियमानुसार जांच कराई जा रही है। इसके लिए बीएलओ, प्राधिकृत अधिकारी, सुपरवाइजर, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), संबंधित वार्ड पार्षद एवं बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के माध्यम से प्रमाणन की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। नगर निगम प्रशासन द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण एवं दावा-आपत्ति निराकरण के कार्य को निर्धारित समय-सीमा और निर्वाचन संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरा करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई हैं। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन, दस्तावेजों का सत्यापन एवं त्रुटियों का निराकरण सुनिश्चित करना है, ताकि आगामी नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए मतदाता सूची को व्यवस्थित एवं अद्यतन किया जा सके।

एक नजर

अभद्र आचरण,सरपंच के खिलाफ जुर्म दर्ज



भिलाई, 30 अक्टूबर। जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ अभद्र आचरण का गंभीर मामला सामने आया है दुर्ग कलेक्टर और दुर्ग एसडीएम के लिए अश्लील गाली लिखकर वाट्सऐप डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) लगाने पर जेवरा चौकी पुलिस ने ग्राम समोदा के सरपंच अरुण गौतम के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है जेवरा चौकी ने बताया कि सरपंच ने अपने मोबाइल की वाट्सऐप डीपी में कलेक्टर और एसडीएम के लिए बेहद आपत्तिजनक का प्रयोग किया था अगले दिन आरोपी ने डीपी हटा दी, लेकिन तब तक कई लोग स्क्रीनशॉट ले चुके थे मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद कानूनी कार्रवाई शुरू की स्पष्ट किया है कि आईटी एक्ट के प्रावधानों और चौकी प्रभारी के एसआई रैंक होने के कारण मामले की अग्रिम विस्तृत विवेचना निरीक्षक स्तर के अधिकारी से कराई जाएगी।

सेवा सेतु पोर्टल से आवेदक को मिला बच्चे के प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण-पत्र

दुर्ग, 30 अक्टूबर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने में सेवा सेतु पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम डीघारी निवासी श्री यशवंत भांडेकर को पाटन के सेवा सेतु केंद्र से अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण-पत्र मिलने से उनके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण-पत्र उन परिवारों के बच्चों को मिलता है जिनके माता-पिता अस्वच्छ व्यवसायों-जैसे चमड़ा रंगना, चमड़ा निकालना, कचरा बीनना इत्यादि कामों में संलग्न होते हैं।यशवंत भांडेकर का परिवार सीमित आय और आर्थिक कठिनाइयों के बीच जीवनयापन करता है। इन परिस्थितियों के बावजूद उनकी हमेशा से इच्छा रही है कि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले और वे बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ें। जब उन्हें अस्वच्छ व्यवसाय में कार्यरत परिवारों के बच्चों के लिए केंद्र प्रवर्तित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना की जानकारी मिली, तो उनके मन में बच्चों की पढ़ाई को लेकर नई उम्मीद जगी। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण-पत्र आवश्यक था। सरकारी प्रक्रियाओं और आवश्यक दस्तावेजों को लेकर चिंतित यशवंत भांडेकर को तहसील कार्यालय पाटन स्थित सेवा सेतु केंद्र के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद वे प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए केंद्र पहुंचे। वहां केंद्र के प्रबंधक ने उन्हें आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने में मार्गदर्शन प्रदान किया। डिजिटल एवं पारदर्शी व्यवस्था के तहत 12 जून 2026 को उनका आवेदन दर्ज किया गया। केंद्र के माध्यम से दस्तावेजों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया और निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद 31 अगस्त 2026 को उनका अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण-पत्र सफलतापूर्वक अनुमोदित होकर प्राप्त हुआ। प्रमाण-पत्र मिलने से यशवंत भांडेकर के परिवार को बड़ी राहत मिली।

जिले में अब तक 992.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग, 30 अक्टूबर । जिले में 1 जून 2026 से 29 अक्टूबर 2026 तक 992.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 1298.4 मिमी दुर्ग तहसील में तथा न्यूनतम 645.0 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है।

इसके अलावा तहसील पाटन में 1179.1 मिमी, तहसील बोरी में 880.1 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 1100.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 854.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 29 अक्टूबर 2026 को तहसील दुर्ग में 26.0 मिमी, तहसील धमधा में 21.9 मिमी, तहसील पाटन में 23.9 मिमी, तहसील बोरी में 12.0 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 26.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 28.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

बैलेट पेपर से चुनाव हुए तो भी हार गई कांग्रेसः मनीष पाण्डेय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भिलाई, 30 अक्टूबर। भाजपा नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने बैलेट पेपर से हुए विधान परिषद चुनावों के परिणामों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर चुनावी हार का ठीकरा चुनाव प्रणाली पर फोड़ती रही है, लेकिन बैलेट पेपर से हुए चुनावों में भी पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व को बताना चाहिए कि अब वह अपनी हार का जिम्मेदार किसे ठहराएगा। मनीष पाण्डेय ने कहा कि हाल ही में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक की कुल 28 विधान परिषद सीटों पर बैलेट पेपर से चुनाव हुए, जिनमें कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने दावा किया कि इन सीटों में पहले कांग्रेस के पास चार सीटें थीं, लेकिन अब पार्टी का प्रभाव सिमटता नजर आया है। ऐसे परिणाम कांग्रेस की चुनावी रणनीति और संगठनात्मक स्थिति पर सवाल खड़े करते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार के बाद ईवीएम पर सवाल उठाने के बजाय कांग्रेस को अपने संगठन की जमीनी स्थिति, जनसंपर्क और जनता की अपेक्षाओं पर आत्ममंथन करना चाहिए। कांग्रेस के पास विकास, रोजगार और जनकल्याण जैसे मुद्दों पर ठोस वैकल्पिक दृष्टिकोण नहीं है। यही वजह है कि पार्टी के नेता बार-बार चुनाव प्रणाली को विवाद का विषय बनाते हैं। पाण्डेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी बैलेट पेपर से हुए इन चुनावों के परिणामों का उल्लेख किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल को चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए ठोस प्रमाण और संवैधानिक प्रक्रिया का पालन जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि बैलेट पेपर से मिली हार को ईवीएम से जुड़े सभी सवालों का अंतिम जवाब नहीं माना जा सकता, लेकिन यह कांग्रेस के लिए अपने राजनीतिक प्रदर्शन की समीक्षा करने का अवसर जरूर है। लोकतंत्र में जनता का विश्वास केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों पर काम करने और जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने से हासिल होता है। मनीष पाण्डेय ने कांग्रेस नेताओं से दूसरों पर दोषारोपण करने के बजाय अपनी नीतियों, संगठन और कार्यशैली की समीक्षा करने की अपील करते हुए कहा कि जनता का समर्थन पाने के लिए विश्वसनीय नेतृत्व, स्पष्ट नीतियां और निरंतर जनसंपर्क जरूरी है।

ग्राम सभा में विद्यार्थियों को दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 अक्टूबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग ने खदान विभाग के सहयोग से सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत अंतागढ़ स्थित डीएवी रावघाट इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ग्रामसभा का आयोजन किया। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों एवं आसपास के ग्रामों के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार एवं मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ सुनील सिंगल विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य गोपीनाथ साहू ने स्वागत उद्बोधन में भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए दैनिक जीवन में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थितजनों को सत्यनिष्ठा की शपथ भी दिलाई गई। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत, स्वागत गीत, भाषण एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता और नैतिक मूल्यों का संदेश दिया। वहीं चित्रकला, निबंध, प्रश्नोत्तरी, नारा लेखन एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

श्रमिक सम्मेलन-26 में 6,684 श्रमिकों को 2.98 करोड़ रुपये की सौगात

महासमुंद, 30 अक्टूबर । श्रमिकों के कल्याण, आर्थिक सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने श्रम विभाग द्वारा आज जिला मुख्यालय स्थित शंकराचार्य भवन में श्रमिक सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस सम्मेलन में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत जिले के 6,684 श्रमिकों के बैंक खातों में कुल 2 करोड़ 98 लाख 53 हजार 41 रुपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री चन्द्रहास चन्द्राकर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भीखम सिंह ठाकुर, नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष श्री देवीचंद राठी, जनपद पंचायत महासमुंद की उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चन्द्राकर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती लक्ष्मी जांगड़े सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कबाड़ से जुगाड़ कर स्मृति नगर तालाब की सफाई में जुटे नगर निगम कर्मचारी



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 अक्टूबर। नगर निगम द्वारा शहर के तालाबों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत जोन क्रमांक-01 नेहरू नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक-02 स्थित स्मृति नगर तालाब में निगम कर्मचारियों ने अनूठी पहल करते हुए कबाड़ से जुगाड़ तकनीक अपनाकर सफाई कार्य शुरू किया है। आयुक्त सुरूचि सिंह के मार्गदर्शन में तालाबों की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में निगम कर्मचारियों ने उपलब्ध कबाड़ सामग्री का उपयोग कर सफाई के लिए एक विशेष उपकरण तैयार किया है। इसकी मदद से तालाब में जमा गंदगी एवं कचरे को बाहर निकाला जा रहा है। कर्मचारियों की इस नवाचारपूर्ण पहल से सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए सफाई कार्य को गति मिल रही है। निगम प्रशासन द्वारा शहर के तालाबों एवं अन्य सार्वजनिक जलस्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है, ताकि जल स्रोतों में जमा अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर उनकी स्वच्छता और उपयोगिता बरकरार रखी जा सके। कबाड़ से जुगाड़ की यह पहल न केवल स्वच्छता अभियान को मजबूती दे रही है, बल्कि अनुपयोगी सामग्री के पुनः उपयोग का भी संदेश दे रही है।

ब्लास्ट फर्नेस के श्रमिकों ने बचाए 20 लाख रुपये, 334 ड्रिल रॉड का किया पुनरुद्धार

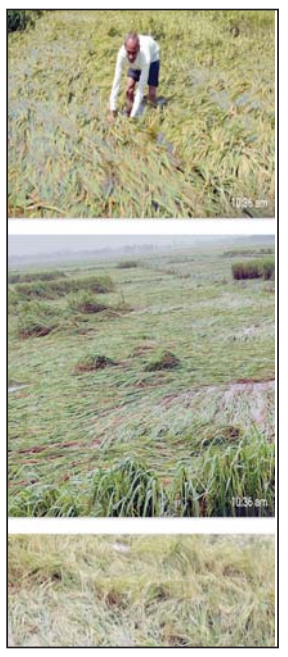


■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 अक्टूबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-8 में कार्यरत ठेका श्रमिकों की टीम ने नवाचार और सामूहिक प्रयास से मात्र तीन माह में 334 ड्रिल रॉड का पुनरुद्धार कर संयंत्र को लगभग 20 लाख रुपये की बचत दिलाई है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए मुख्य महाप्रबंधक विवेक वर्मा ने श्रमिकों की टीम को सम्मानित किया। ब्लास्ट फर्नेस में हॉट मेटल उत्पादन के दौरान प्रत्येक टैपिंग में टैप होल खोलने के लिए ड्रिल रॉड का उपयोग किया जाता है। इनकी खपत कम करने के उद्देश्य से श्रमिकों ने अनुपयोगी हो चुकी ड्रिल रॉड को पुनः उपयोग योग्य बनाने की पहल की। इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होने के साथ लागत में भी उल्लेखनीय कमी आई। इस अवसर पर विवेक वर्मा ने श्रमिकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और अपव्यय में कमी संयंत्र की परिचालन दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने उत्पादन एवं संसाधन संरक्षण के साथ सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक नवीन तिवारी, महाप्रबंधक मनीष तिवारी, उप महाप्रबंधक सत्यब्रत सुतार, सहायक महाप्रबंधक पुरुषोत्तम मीना सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चक्रवाती तूफान अर्णव से कांडी में बारिश और तेज हवा से खेतों में पककर तैयार धान की फसल गिरीं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



उतई, 30 अक्टूबर। उतई पाटन दुर्ग ग्रामीण सहित अंडा क्षेत्र के अंचलो में फसलों पर चक्रवात का बुरा असर पड़ा है। बुधवार की रात से अर्णव चक्रवाती तूफान के प्रभाव के कारण हुई बारिश और तेज हवा ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश और तेज हवा के चलते खेतों में पककर तैयार धान की फसल गिर गई है, जिससे किसानों को काफी नुकसान होने की आशंका है। अचानक मौसम में आए बदलाव से किसानों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है।कांडी प्रखंड के विभिन्न भागों में गांवों में किसान धान की फसल की कटाई की तैयारी कर रहे थे। कई किसानों की धान की फसल खेतों में पककर तैयार हो चुकी है। ऐसे समय में तेज हवा और बारिश के कारण फसल के गिर जाने से धान की कटाई और उपज पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।खेतों में गिरी धान की फसल को काटने में किसानों को अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। इससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन प्रभावित होने का भी डर बना हुआ है।प्राकृतिक आपदाओं से लगातार जूझ रहे किसान कांडी प्रखंड के किसान पहले से ही मौसम की मार झेलते आ रहे हैं। कभी बाढ़, कभी सुखाड़ तो कभी अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। किसान कर्ज लेकर बीज, खाद, कीटनाशक और खेती से जुड़ी अन्य आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था करते हैं।इसके बाद दिन-रात मेहनत कर फसल तैयार करते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदा के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। किसानों की परेशानी उस समय और बढ़ जाती है, जब खेतों में तैयार फसल प्राकृतिक आपदा की भेंट चढ़ जाती है। कई बार किसानों को खेतों में अच्छी फसल होने की उम्मीद रहती है, लेकिन मौसम की मार के कारण उनकी उम्मीदें टूट जाती हैं।

सातवें दिन श्रीकृष्ण के मथुरा गमन और कंस वध की कथा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,30 अक्टूबर। परमेश्वरी भवन प्रगति नगर सड़क नम्बर 20 रिसाली में आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के सातवें दिन गुरुवार। को कथावाचक संत निरंजन महाराज ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का संगीतमय वर्णन कराया। कथा में वृंदावन लीला, मथुरा गमन, कंस वध एवं श्री रुक्मणी मंगल कथा के प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा के दौरान संत श्री निरंजन महाराज ने वृंदावन की मनोहारी लीलाओं का वर्णन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, गोप-गोपियों के साथ उनके प्रेम और भक्ति के प्रसंगों को प्रस्तुत किया। कथा सुनकर श्रद्धालु भक्तिभाव में डूबे रहे। इसके बाद श्रीकृष्ण के मथुरा गमन एवं कंस वध का प्रसंग सुनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अत्याचारी कध कर धर्म की स्थापना किए जाने की कथा ने श्रद्धालुओं में उत्साह भर दिया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से कथा स्थल गूंज उठा। इसके पश्चात श्री रुक्मणी मंगल कथा का वर्णन किया गया। रुक्मणी जी की भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट श्रद्धा और भगवान द्वारा उन्हें स्वीकार किए जाने के प्रसंग को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे । 31 अक्टूबर श्रीगितसर ,प्रवचन ,हवन ,पूर्णाहुति ,एवं सहस्त्रधारा,स्नान के साथ धार्मिक अनुष्ठान का समापन , कथा के दौरान भजन और संगीतमय प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय बना रहा इस अवसर पर आयोजन कर्ता देवांगन परिवार एवं बड़ी संख्या में भक्त जन कथा का रसपान कर रहे हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 30 अक्टूबर। भिलाई जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है पीड़िता द्वारा को बच्चे को जन्म देने के बाद परिजनों को घटना का पता चला अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के वक्त दोनों नाबालिग थे हालांकि अब आरोपी बालिग ही चुका है ।

जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

भिलाई, 30 अक्टूबर। पुरानी भिलाई पुलिस ने ग्राम नंदीरी निवासी कीर्ति वर्मा (64 साल) और उनके बेटे अजय वर्मा से गाली-गलौज कर चापड़ से जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी नितेश पारधी की गिरफ्तार किया है मॉर्निंग मॉर्निंग वॉक से लौटते समय पुरानी रंजिश पर यह विवाद हुआ पुरानी भिलाई थाने पुलिस ने बीएनएस और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है ।

गांजा बेचते हुए युवक गिरफ्तार

भिलाई, 30 अक्टूबर। पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने सिरसाकला पुरैना चौक नर्सरी के पास गांजा बेचते नितिन कुमार सहरिया (28 साल), निवासी भाठापारा दादर चरोदा को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 60 हजार रुपए कीमत का 1.150 किलो अवैध गांजा जब्त किया है ।

विधायक रिकेश की पहल पर अतिक्रमण कार्रवाई से प्रभावित छोटे व्यवसायियों को मिलेगी 10-10 हजार की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से दिया जाएगा मुआवजा, विधायक ने प्रभावित फुटपाथ व्यवसायियों के नुकसान की भरपाई का उठाया था मुद्दा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भिलाई नगर, 30 अक्टूबर। भिलाई में 27 अक्टूबर को नगर पालिक निगम एवं यातायात पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान प्रभावित हुए छोटे फुटपाथ व्यवसायियों को अब आर्थिक राहत मिलेगी। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन की पहल और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से हुई चर्चा के बाद प्रभावित व्यवसायियों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की बात स्पष्ट हुई है।

उल्लेखनीय है कि 27 अक्टूबर को सड़क किनारे ठेले-खोमचे और पसरा लगाकर फल, सब्जियां एवं खाद्य सामग्री बेचने वाले छोटे व्यवसायियों के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। इस दौरान कई व्यवसायियों के सामान को नुकसान पहुंचा था, वहीं बिक्री के लिए रखे फल, सब्जियां और खाद्य सामग्री भी नष्ट हो गई थी। अचानक हुई इस कार्रवाई से रोज कमाकर परिवार चलाने वाले छोटे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक रिकेश सेन ने तत्काल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा कर प्रभावित व्यवसायियों की परेशानी से अवगत कराया था। उन्होंने कार्रवाई के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए प्रभावितों को उचित मुआवजा देने की मांग प्रमुखता से उठाई थी।विधायक रिकेश सेन से मुख्यमंत्री की चर्चा के बाद अब प्रभावित छोटे व्यवसायियों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 10-10 हजार रुपये की सहायता दिए जाने की बात सामने आई है। इससे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में अपना सामान गंवाने वाले छोटे कारोबारियों को आर्थिक संबल मिलेगा और उन्हें दोबारा अपना व्यवसाय शुरू करने में मदद मिलेगी।विधायक रिकेश सेन ने इस पूरे मामले में स्पष्ट किया था कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन इसके साथ ही छोटे व्यापारियों की आजीविका और उनके आर्थिक हितों का ध्यान रखना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्रवाई से पहले सूचना देने, सामान हटाने के लिए पर्याप्त समय देने और प्रभावितों के नुकसान की भरपाई करने की आवश्यकता पर जोर दिया था।

विधायक रिकेश सेन की पहल से प्रभावित परिवारों को मिलेगी राहत

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद प्रभावित व्यवसायियों के नुकसान का मुद्दा मुख्यमंत्री तक पहुंचाने और उनके लिए आर्थिक सहायता की मांग करने के बाद अब 10-10 हजार रुपये के मुआवजे की बात स्पष्ट होना प्रभावित परिवारों के लिए राहत की खबर है। विधायक रिकेश सेन की मुख्यमंत्री से हुई चर्चा और उनके द्वारा लगातार उठाए गए इस विषय के बाद यह सहायता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सामने आई है।

एक नजर

दृष्टि हेल्पलाइन की मदद से अवैध महुआ शराब के साथ एक महिला गिरफ्तार



बलौदबाजार, 30 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में आम नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के निर्देशन में शुरू की गई महत्वाकांक्षी दृष्टि हेल्पलाइन (नंबरः 94792 20392) पुलिस के लिए बेहद मददगार साबित हो रही है। इसी कड़ी में 28 अक्टूबर 2026 को हेल्पलाइन पर प्राप्त सूचना के आधार पर थाना लवन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम करदा में घेराबंदी कर अवैध शराब बेच रही एक आरोपिया को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपिया के कब्जे से 7750 मूल्य की 8.800 बल्क लीटर महुआ शराब तथा शराब बनाने में प्रयुक्त गैस सिलेंडर, चूल्हा और अन्य बर्तन जब्त किए हैं। आरोपिया के खिलाफथाना लवन में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस की अपीलः पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की शिकायत, सूचना या आपराधिक गतिविधि की जानकारी तुरंत दृष्टि हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 पर कॉल या व्हाट्सएप के माध्यम से साझा करें।

उद्यानिकी फसलों के लिए कृषि सलाह,पानी निकासी व पौधों को सहारा जरूरी

बलौदबाजार, 30 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। चक्रवात के कारण वर्षा एवं तेज हवा से उद्यानिकी फसलों की सुरक्षा हेतु उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों के लिये सलाह जारी किया गया है। खेतों, सब्जी नर्सरी एवं फलोद्यानों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था रखा जाए तथा पानी जमा नहीं होने देना है ।टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं अन्य कमजोर पौधों को आवश्यकता के अनुसार सहारा जरुरी।फलदार पौधों केला, पपीता एवं नए लगाए गए फलदार पौधों को तेज हवा से बचाने के लिए आवश्यक सहारा देना होगा। सब्जियों की नर्सरी एवं नए रोपित पौधों को जलभराव से बचाएं । निचले खेतों में विशेष सावधानी रखें। तैयार फल एवं सब्जियों की तुड़ाई स्थानीय मौसम की स्थिति को देखते हुए करें तथा उपज को सुरक्षित एवं सूखे स्थान पर रखें।वर्षा के दौरान छिड़काव न करें। मौसम साफ होने तथा फसल की स्थिति का आकलन करने के बाद ही छिड़काव का निर्णय लें।वर्षा के बाद फसलों में रोग, सड़न अथवा कीट प्रकोप के लक्षण दिखाई देने पर स्थानीय उद्यानिकी अधिकारी या कृषि विशेषज्ञ की सलाह लें। बुवाई एवं रोपाई प्याज, लहसुन तथा अन्य उद्यानिकी फसलों की बुवाई एवं रोपाई से पहले मिट्टी की नमी और स्थानीय मौसम पूर्वानुमान का आकलन करें। जलभराव वाली भूमि में बुवाई या रोपाई से बचें।तेज हवा एवं वर्षा के बाद फलदार पौधों, शाखाओं और फसलों को हुई क्षति का निरीक्षण करें।

जिले मे 23.6 मिलिमीटर औसत वर्षा दर्ज,सर्वाधिक पलारी तहसील में

बलौदबाजार, 30 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। अर्णब चक्रवात के कारण जिले मे 29 अक्टूबर 2026 को 23.6 मिलिमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।सर्वाधिक वर्षा पलारी तहसील मे 40.6 मिलिमीटर हुई है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अब तक तहसील टुण्डरा में 27 मिमी, बलौदाबाजार में 27 मिमी, पलारी में 40.6 मिमी, लवन मे 22 मिमी, सुहेला 32मिमी, सिमगा में 15 मिमी, कसडोल 18.7 मिमी, भाटापारा में 15 मिमी एवं सोनाखान 15.3 मिमी. वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह कुल 212.6 मिमी वर्षा अभी तक दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 23.6 मिमी है।

विकास और बुनियादी मुद्दों पर करें मतदान : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर 30 अक्टूबर। रायपुर के दिशा कॉलेज में गुरुवार को 'माई भारत' के तत्वावधान में आयोजित 'विकसित भारत युवा संवाद' (नो योर वोट) कार्यक्रम में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद करते हुए लोकतंत्र के महत्व, मतदान के सही मापदंड और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान छात्रा करीना डेका द्वारा पहली बार वोट डालते समय निर्णय लेने के आधार को लेकर पूछे गए सवाल पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने युवाओं को स्पष्ट दृष्टिकोण दिया। उन्होंने कहा कि युवा केवल 15 से 30 वर्ष की उम्र का दायरा नहीं है। युवा वह है--जिसके सीने में आग हो, जिसके मुँह में शक्कर हो, जिसके सिर में बर्फ हो और जिसके पैर में चक्कर हो। यदि 80 वर्ष के व्यक्ति में भी ये चारों गुण मौजूद हैं, तो वह भी



वास्तव में युवा है। यदि हम खुद को युवा मानते हैं, तो ये चारों गुण हमारे आचरण और सोच में दिखने चाहिए। वैश्विक तुलना और स्थानीय परिस्थितियों पर बात रखते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि आज का युवा सोशल मीडिया के ज़रिये पूरी दुनिया से जुड़ा है। अक्सर हम सोचने लगते हैं कि जो अमेरिका, जापान या जर्मनी में होता है, वह हमारे यहाँ क्यों नहीं हो सकता? लेकिन ऐसा सोचते समय हम अपने देश की विशाल आबादी और भौगोलिक विविधताओं को भूल जाते हैं। हमें समझना होगा कि हिमाचल के पहाड़ों में रहने वाले लोगों की ज़रूरतें अलग हैं और पोर्ट ब्लेयर में रहने वालों की अलग। स्वयं हमारे छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य में ही सरगुजा, बस्तर और मैदानी इलाकों की ज़मीनी परिस्थितियाँ व वातावरण पूरी तरह भिन्न हैं।

श्री अग्रवाल ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि जब आप पहली बार मतदान करने जाएँ, तो यह सोचें कि विकास को प्राथमिकता कौन दे सकता है। शिक्षा, सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं का स्थायी समाधान किसकी नीति में है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश का वोटिंग पैटर्न और जनता की सोच पूरी तरह बदली है। पहले चुनाव केवल राजनीतिक समीकरणों पर लड़े जाते थे, लेकिन आज विमर्श विकास पर केंद्रित हो चुका है--सड़क, पानी, बिजली, रोज़गार, किसानों की उपज का सही मूल्य और विश्व स्तर पर भारत की आर्थिक नीतियों को सर्वश्रेष्ठ बनाने पर जनता वोट करती है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे व्यक्तिगत मुद्दों और तात्कालिक बातों से ऊपर उठकर राष्ट्र के समग्र विकास और बेहतर नीतियों को ध्यान में रखकर अपने मताधिकार का उपयोग करें। कार्यक्रम में दिशा कॉलेज के प्राचार्य श्री ए. के. तिवारी, श्री रमन पटेल, श्री सुयश पांडे, श्री अर्पित तिवारी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जल संरक्षण की शपथ के साथ ग्रामीणों को जल गुणवत्ता जांच का दिया गया प्रशिक्षण

रायगढ़, 30 अक्टूबर। घर-घर नल से जल पहुंचने से ग्रामीण परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव आ रहा है। जिन परिवारों को पहले पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था, उन्हें अब घर पर ही पानी की सुविधा मिल रही है। इससे विशेषकर महिलाओं का समय और श्रम बच रहा है, वहीं बच्चों और अन्य सदस्यों को भी पानी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता। चिटकाकानी और त्रिभौना गांव के ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल के महत्व से अवगत कराने के साथ जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया भी समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान पानी के नमूने में निर्धारित मात्रा में रसायन मिलाकर उसकी जांच करने और प्राप्त परिणाम का निर्धारित मानकों से मिलान करने की जानकारी दी गई।

पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं स्काउट्स-गाइड्स और जल-जंगल बचाने में निभाएं अहम भूमिका-राज्यपाल

रायपुर, 30 अक्टूबर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जल और जंगल को बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। स्काउट्स एवं गाइड्स पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन और वनों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी साबित हो रही हैं।

राज्यपाल श्री रमेन डेका आज लोकभवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित राज्य पुरस्कार अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर से चयनित 1122 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स को राज्य पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष गजेंद्र यादव ने की।

राज्यपाल ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स का आदर्श वाक्य 'तैयार रहो' हमें विषम परिस्थितियों का सामना करने और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता



है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार प्राप्त करना गर्व की बात है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। सभी प्रतिभागी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान दें और अपने आचरण से दूसरों के लिए प्रेरणा बनें। राज्यपाल श्री डेका ने राज्य पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बस्तर क्षेत्र से आए स्काउट्स एवं गाइड्स की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खात्मे के बाद बस्तर में शांति स्थापित हुई है और क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए समय को पहचानना और निरंतर संघर्ष करना आवश्यक है। कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के नियम और प्रतिज्ञाएं इसके सदस्यों को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। स्काउटिंग की वर्दी अनुशासन, सेवा और समर्पण के मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग से जुड़ा व्यक्ति जीवनभर सेवा के भाव के साथ कार्य करता है। राज्यपाल के हाथों प्राप्त सम्मान प्रतिभागियों के लिए अविस्मरणीय उपलब्धि है और उन्हें आगे भी समाजसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने प्रदेश के अधिक से अधिक स्काउट्स एवं गाइड्स को राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में प्रदेशभर से चयनित 405 स्काउट्स, 528 गाइड्स, 64 रोवर्स और 125 रेंजर्स को राज्यपाल श्री रमेन डेका के हाथों राज्य पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्काउटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ स्काउटर योगेश्वर प्रसाद गांगुली (बालोद), सर्वश्रेष्ठ गाइडर तनुजा बंजारे एवं लता वैष्णव (महासमुंद), सर्वश्रेष्ठ रोवर राजमणि बंजारे एवं चंद्रशेखर पंकज, सर्वश्रेष्ठ रेंजर कुमारी विभूति वर्मा एवं कुमारी कृति बिजौर, सर्वश्रेष्ठ स्काउट ईश साहू, हरीश कुमार खोटे एवं राजवीर भट्ट तथा सर्वश्रेष्ठ गाइड दिव्या पटेल एवं दीप्ति पटेल को सम्मानित किया गया। स्काउटिंग के क्षेत्र में दीर्घकालीन सेवाओं के लिए शैलेंद्र मिश्रा, आनंद राम बघेल, पवन कुमार नायक, विनोद कुमार हथेल, शशि बंछोर और रजनी रेड्डी को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान पीपिंग सेरेमनी भी आयोजित की गई। इसमें लोकभवन में पदस्थ एडीसी श्री उदित पुष्कर को रैंक बैज लगाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा, राज्य सचिव अमित कुमार क्षत्रिय, कार्यक्रम प्रभारी शैलेंद्र मिश्रा, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त डॉ. पूनम सिंह साहू, राज्य संगठन आयुक्त जलवती साहू, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) सरिता पांडे सहित संगठन के पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

किसान हित और जनकल्याण को समर्पित सरकार के फैसले ऐतिहासिक : स्वाधीन जैन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा 30 अक्टूबर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद में लिए गए निर्णयों का स्वागत करते हुए भाजपा नेता स्वाधीन जैन ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का हर फैसला किसान और आम जनता के हित में है। 15 नवंबर से 3100 रु. प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी, 360 नए उपार्जन केंद्र, एम-ऊर्जा योजना में 31 मार्च 2027 तक छूट जारी रखना और शासकीय सेवकों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा जैसे निर्णय सुशासन और संवेदनशीलता का प्रतीक हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में कैबिनेट के ऐतिहासिक फैसलों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता जयदीप गुप्ता ने कहा कि यह सरकार किसान, मध्यम वर्ग और कर्मचारी सभी का ख्याल रख रही है। 27.50 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर



धान खरीदी, एग्रीस्टेक पंजीकृत किसानों को पुनः पंजीयन से छूट, डिजिटल क्रॉप सर्वे और बायोमेट्रिक खरीदी से पारदर्शिता आएगी। साथ ही 7.25 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत और कर्मचारियों को कैशलेस इलाज की सुविधा देना सराहनीय कदम है। प्रदेश सरकार के मंत्रिपरिषद के निर्णयों को जनहितकारी बताते हुए भाजपा नेता आशीष लालवानी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने साबित कर दिया है कि उनकी सरकार किसान हित और जनकल्याण को समर्पित है। खरीफवर्ष 2026-27 में 3100 उपार्जन केंद्रों पर धान खरीदी, घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक बिजली बिल में रियायत जारी रखना और शासकीय सेवकों के लिए ऑनलाइन कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करना - ये तीनों फैसले छत्तीसगढ़ के हर परिवार को सीधे राहत देने वाले हैं। किसानों को 3100 रु. प्रति क्विंटल पर 21 क्विंटल तक धान बेचने का अवसर, पुराने किसानों को पुनः पंजीयन से मुक्ति, 400 यूनिट तक बिजली खपत पर राहत की अवधि बढ़ाना और गंभीर बीमारी में कर्मचारियों को तत्काल कैशलेस सुविधा देना - यह दर्शाता है कि सरकार हर वर्ग की चिंता कर रही है।

मुख्यमंत्री साय का शासकीय कर्मचारियों और पेंशनरों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय

रायपुर, 30 अक्टूबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दीपावली के पावन पर्व से पहले प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों और पेंशनरों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनरों की महंगाई राहत में 2 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। इसके तहत आगामी 1 नवंबर 2026 से महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत की दर 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगी। इस निर्णय से प्रदेश के लगभग 3 लाख 85 हजार शासकीय कर्मचारियों और 1 लाख 50 हजार पेंशनरों को लाभ मिलेगा। महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत में वृद्धि से राज्य सरकार पर लगभग 36 करोड़ रुपए प्रतिमाह तथा 432 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वार्षिक वित्तीय भार आएगा।

लोकोत्सव मैदान में 35 अस्थायी पटाखा दुकानों की नीलामी से नगर पालिका को 4.21 लाख रुपए से अधिक का राजस्व मिला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 30 अक्टूबर। नगर पालिका परिषद, भाटापारा द्वारा लोकोत्सव मैदान में अस्थाई पटाखा दुकानों हेतु खुली नीलामी की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की गई। यह संपूर्ण आयोजन नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया तथा सभापति मनीष मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित आयोजन

पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित माहौल में आयोजित इस नीलामी में कुल 35 अस्थाई पटाखा दुकानों का आवंटन किया गया, जिससे नगर पालिका परिषद को ?4.21 लाख से अधिक की राजस्व राशि प्राप्त होना है । नीलामी प्रक्रिया को सुचारू, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संचालित करने के लिए नगर पालिका प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी पूरे समय उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिवकुमार यादव, उप अभियंता विनोद यादव, राजस्व प्रभारी



देवकुमार बंजारे, कॉम्प्लेक्स प्रभारी गंजहंस ठाकुर, और प्रभारी सहायक राजस्व निरीक्षक विकास वैष्णव उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में शहर के पटाखा व्यापारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और उत्साहपूर्वक बोली में हिस्सा लिया।

व्यापक सुरक्षा एवं बुनियादी व्यवस्था की जाएगी

नगर पालिका प्रशासन द्वारा आमजनों एवं व्यापारियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए लोकोत्सव मैदान में

सुरक्षा बाउंड्री वॉल एवं सीसीटीवीः मैदान के चारों ओर अस्थाई बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जा रहा है तथा पूरे परिसर की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

आपातकालीन सुरक्षाः किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए मौके पर अग्निशमन वाहन (फायर ब्रिगेड) तथा पुलिस सुरक्षा बल की तैनाती की व्यवस्था की जाएगी।

सुगम यातायात व पार्किंगः खरीदारों एवं व्यापारियों के लिए पर्याप्त एवं सुव्यवस्थित पार्किंग स्थल तैयार किया जाएगा।

कुम्हार भाइयों के लिए निःशुल्क व्यवस्था

त्योहारों के दौरान पारंपरिक दीया और पूजन सामग्री बेचने वाले स्थानीय कुम्हारों का विशेष ध्यान रखते हुए, नगर पालिका परिषद द्वारा पुराना गंज रामलीला मैदान में उन्हें दीया व पूजन सामग्री विक्रय करने के लिए निःशुल्क स्थान का आवंटन किया गया है,

सुरक्षा नियमों के पालन एवं अवैध बिक्री पर सख्त निर्देश

मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिवकुमार यादव ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि सभी पटाखा दुकानदारों को शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी अग्नि सुरक्षा नियमों एवं दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा।

शिवकुमार यादव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी

नगर पालिका प्रशासन द्वारा समस्त पटाखा व्यापारियों से अपील की गई है कि वे केवल नगर पालिका द्वारा निर्धारित स्थल (लोकोत्सव मैदान) पर ही पटाखों का विक्रय करें। निर्धारित स्थल के अलावा अन्य किसी भी अन्य स्थान पर पटाखा विक्रय करते पाए जाने पर पटाखा जप्ती, भारी जुर्माना एवं लाइसेंस रद्द करने की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सेवा सेतु केन्द्र से एक ही दिन में मिले आय एवं निवास प्रमाणपत्र, किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया में मिली मदद



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 30 अक्टूबर। शासन की जनकल्याणकारी पहल सेवा सेतु अभियान आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक साबित हो रहा है। इसके माध्यम से शासकीय सेवाएं सरलता और त्वरित गति से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इसी कड़ी में भाटापारा निवासी कविता सिंह ठाकुर, पिता रंग बहादुर सिंह ठाकुर ने तहसील कार्यालय भाटापारा स्थित सेवा सेतु केन्द्र में आय एवं निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। केन्द्र के माध्यम से उन्हें आवेदन करने के दिन ही शाम तक दोनों प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए।

समय पर प्रमाण पत्र मिलने से कविता सिंह ठाकुर को किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया में आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने में मदद मिली। त्वरित सेवा मिलने से उनके लिए उपचार संबंधी प्रक्रिया को आगे बढ़ाना आसान हुआ। सेवा सेतु अभियान का उद्देश्य शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों तक सरल, सुलभ और समयबद्ध तरीके से पहुंचाना है, ताकि लोगों को आवश्यक दस्तावेजों के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

लक्ष्मी मानिकपुरी और खुशी विश्वकर्मा होंगी सम्मानित, वंशिका सिंह लोकसभा में रखेंगी अपने विचार



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा 30 अक्टूबर। बालोद जिले के डौंडी विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुसुमकसा की तीन होनहार बेटियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन से पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। सेजेस स्वामी आत्मानंद हायर सेकेंडरी स्कूल, कुसुमकसा की छात्राएं लक्ष्मी मानिकपुरी एवं खुशी विश्वकर्मा राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर लोकसभा भवन में सम्मानित होंगी। वहीं, कुसुम पब्लिक स्कूल कुसुमकसा की छात्रा वंशिका सिंह का चयन देशभर से चुने गए 12 बच्चों में हुआ है, जिन्हें लोकसभा में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। तीनों बेटियों की इस उपलब्धि से कुसुमकसा सहित पूरे बालोद जिले में हर्ष और गर्व का माहौल है।

सेजेस स्वामी आत्मानंद हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा लक्ष्मी मानिकपुरी एवं खुशी विश्वकर्मा ने राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनकी इस उपलब्धि ने विद्यालय और क्षेत्र का मान बढ़ाया है। खुशी विश्वकर्मा इससे पहले कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में जिले की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का परिचय दे चुकी हैं। अब राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान ने उनकी उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ दिया है।

कुसुमकसा की एक अन्य होनहार बेटी वंशिका सिंह भी अपनी प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने जा रही हैं। कुसुम पब्लिक स्कूल, कुसुमकसा के प्राचार्य श्री आर.के. सिंह की पुत्री वंशिका का चयन लोकसभा में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए देशभर से चयनित 12 बच्चों में हुआ है। प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रिपरिषद एवं सांसदों की गरिमामयी उपस्थिति वाले इस प्रतिष्ठित मंच पर विचार रखने का अवसर मिलना वंशिका के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनकी इस सफलता से विद्यालय परिवार और क्षेत्र के लोगों में उत्साह है।

इन उपलब्धियों के पीछे विद्यार्थियों की मेहनत के साथ-साथ शिक्षकों का मार्गदर्शन और अभिभावकों का प्रोत्साहन भी महत्वपूर्ण है। सेजेस स्वामी आत्मानंद हायर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिका सुश्री सोनल गुप्ता के परिश्रम, समर्पण एवं कुशल मार्गदर्शन की सराहना की जा रही है। विद्यालय के प्राचार्य सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रयासों से विद्यार्थियों को विज्ञान, नवाचार और रचनात्मक गतिविधियों में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

पूर्व जनपद सदस्य संजय बैस एवं जनपद पंचायत डौंडी की सभापति मंजू बैस ने लक्ष्मी मानिकपुरी, खुशी विश्वकर्मा और वंशिका सिंह को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने तीनों बेटियों के माता-पिता, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार को भी बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण अंचल की बेटियों का राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि इन बेटियों की सफलता से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। बेटियों को उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और अवसर मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं। कुसुमकसा की इन तीनों बेटियों की उपलब्धि ने यह साबित किया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती। गांव की मिट्टी में पली-बढ़ी बेटियां भी अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर देश के प्रतिष्ठित मंचों तक पहुंच सकती हैं। आज कुसुमकसा की बेटियां लोकसभा भवन में सम्मान और विचारों के माध्यम से क्षेत्र का मान बढ़ाने जा रही हैं, जो आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

दिखना चाहिए कानून सबके लिए बराबर है

कहा तो जाता है कि कानून सबके लिए बराबर होता है,कानून की नजर में गरीब व अमीर सब समान हैं।कानून से बड़ा कोई नहीं होता है,कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं,उससे कोई बच नहीं सकता।किसी ने अपराध किया है तो उसे सजा जरूर मिलनी चाहिए।कहने सुनने में तो यह अच्छा लगता है,लेकिन कई बार ऐसे उदाहरण आते हैं कि लोगों को लगता है कि कानून उसी के लिए हैं जिसके पास पैसा है, जिसके पास पैसा है वह मनचाहा न्याय प्राप्त कर सकता है और गरीब लोगों न्याय को तरसते रह जाते हैं।ऐसे समय मे जब एक उदाहरण से यह दिखाई देता है कि कानून अमीर व गरीब सबके लिए बराबर है,जज और आम लोगों के लिए समान है तो लोगों को बहुत अच्छा लगता है।उम्मीद बंधती है कि अभी न्याय के क्षेत्र में ऐसे जज हैं जो मानते हैं कि कानून सबके लिए बराबर है और वह ऐसा फैसला करके दिखाते भी हैं कि हम कहते नहीं है,करके दिखाते भी है। जब न्याय होते हुए दिखता है तो लोकतंत्र में न्याय व्यवस्था के प्रति कमजोर हो रहा विश्वास मजबूत होता है।केरल के चेरानल्लूर में एडिशनल डिस्ट्रिक जज और मर्सिडीज के मालिक पिता पर केरल हाईकोर्ट ने केस दर्ज करने अनुमति दी है।जज के १७ साल के बेटे कार चलाते हुए रविवार की सुबह चेरानल्लूर में ५५ साल के फल विक्रेता को टक्कर मार दी.इससे फल विक्रेता जयबालकृष्णन की मौत हो गई।जैसा कि आम तौर पर होता है कि किसी बड़े आदमी का मामला होता है तो पुलिस मामले को निपटाने का प्रयास करती है।पुलिस जज के बेटे का मामला होने के कारण लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया और जज के बेटे को थाने से जमानत दे दी।परिवार व स्थानीय लोगों ने इस बात का विरोध किया तो मामले में गैरइरादतन हत्या की धारा जोड़ी गई जज के बेटे को दोबारा हिरासत में लेकर जुवनाईल जस्टिस बोर्ड में पेश किया गया। बोर्ड ने उसे फिर जमानत दे दी। परिवार ने इसका विरोध किया और थाने के सामने धरना दिया।यह मुद्दा सोमवार को केरल विधानसभा में उठा।गृहमंत्री रमेश चेन्निथला ने माना कि इस मामले में पुलिस की शुरुआती कार्रवाई ठीक नहीं थी।बाद में केरल हाईकोर्ट ने जज पिता के खिलाफ केस दर्ज करने की अनुमति दी यानी यह माना गया कि बेटे ने गलती तो की है साथ ही पिता ने भी गलती की है अपने नाबालिग बेटे को कार चलाने की छूट देकर।जबकि जज होने के कारण पिता को मालूम है कि नाबालिग को कार चलाने देना गलत है।वह किसी जान ले सकता है या उसकी भी जान जा सकती है। जज पिता न एक तो अपने बेटे को कार चलाने की अनुमति दी। बेटे ने लापरवाही से कार चलाते हुए एक परिवार के कमाऊ सदस्य की जान ले ली। जज पिता का मानना चाहिए कि उनके बेटे ने गलती है और इसके लिए उनको माफी मांगनी चाहिए तो उल्टा वह परिवार को डराने लगे। जिस पिता की मौत हो गई है उस बेटी का बयान है कि जज ने उससे कहा कि मुझे कानून मत सिखाओ। हादसे के बाद जज का व्यवहार बेहद खराब था।जज गलती करने के बाद भी अपने बेटे को बचाने का प्रयास कर रहे थे।पुलिस भी उनके जज होने के कारण कार्रवाई करने से डर रही थी।पुलिस व जज के व्यवहार एक बेटी को यही एहसास हुआ कि किसी के पास पैसा है या कोई ऊंचे पद पर बैठा है तो कानून उसके साथ है और आम आदमी के लिए कानून अलग है।मामला विधानसभा में नहीं उठा होता तो यह मामला भी जज का बेटा होने के कारण निपटा दिया गया होता। मामला विधानसभा में उठने के बाद गृहमंत्री को भी मानना पड़ा कि पुलिस ने शुरू में जो कुछ किया ठीक नहीं किया। इसके बाद जाकर पुलिस ने केरल हाईकोर्ट से जज के खिलाफ केस दर्ज करने की अनुमति मांगी और केरल हाई कोर्ट ने अनुमति दी। केरल हाई कोर्ट ने जज पिता पर के खिलाफ केस दर्ज करने की अनुमति देकर अच्छा किया है। इससे ऐसा लगता तो है तो अदालतें और कुछ जज कानून की नजर में सबको समान मानते हैं।वह जज के खिलाफ केस दर्ज करने की अनुमति देते हैं तो दिखता है कि कानून सबके लिए समान है। इस मामले में कानून सबके लिए समान है सच में तब माना जाएगा जब जज पिता और उसके नाबालिग बेटे को उनके किए गए अपराध के लिए सजा भी मिले।जज पिता ने एक बार अपने बेटे को बचाने का प्रयास किया है तो आगे भी वह ऐसा कर सकते हैं।कानून के मुताबिक तो ऐसे मामले में पिता और बेटे पर अलग अलग कार्रवाई होती है।अभी बोर्ड तय करेगा कि नाबालिग पर वयस्क की तरह मुकदना चलेगा या नहीं।नाबालिग होने के कारण उसे जेल नहीं भेजा जा सकता,लेकिन अधिकतम किसी सुधारगृह भेजा जा सकता है,२५वर्ष तक उसका ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बनेगा।नाबालिग यदि माता पिता की अनुमति से वाहन चला रहा था तो उन्हें तीन साल की सजा हो सकती है।२५ हजार तक जुर्माना हो सकता है।वाहन का रजिस्ट्रेशन एक साल के लिए रद्द हो सकता है। घर के नाबालिगों को बाइक व कार चलाने की अनुमति माता पिता को नहीं देनी चाहिए।यह उनकी जिम्मेदारी है,वह यह कहकर नहीं बच सकते कि उनके अनुमति के बिना बच्चे बाइक या कार चलाते है।यातायात पुलिस भी स्कूल खुलने से लेकर साल भर बच्चों को स्कूल जाकर व माता पिता को कई तरह के कार्यक्रम चलाकर जागरूक करती है कि यह ठीक नहीं है इससे नुकसान होना तय है या तो आपका बच्चा घायल होगा मारा जाएगा या दूसरे का घायल करेगा या मारेगा।इसके बाद भी नाबालिग सड़क पर बाइक चलाते दिख जाते हैं तो इसके लिए माता पिता ही दोषी हैं। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होना काफी नहीं है, उनको सजा भी होनी चाहिए ताकि उनको और उनके बच्चों को ऐसा लगे तो उन्होंने गलत किया है और उनके बच्चों ने गलत किया है।

राजनीति

बैलेट पर भी पिटी कांग्रेस, आखिर कब तक बहानों की राजनीति?

अजय कुमार,

कांग्रेस की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसे चुनाव हारने से ज्यादा परेशानी अपनी हार की जिम्मेदारी स्वीकार करने में होती है। नतीजे प्रतिकूल आए नहीं कि कभी ईवीएम कठघरे में, कभी चुनाव



आयोग निशाने पर और कभी मतदाता सूची पर सवाल। लेकिन जब बैलेट पेपर से हुए चुनावों में भी पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर कांग्रेस की समस्या मशीन है या उसकी अपनी राजनीतिक जमीन खिसक रही है? चार राज्यों की विधान परिषद की 28 सीटों के चुनाव ने इसी सवाल को कांग्रेस के सामने खड़ा कर दिया है। खासकर कर्नाटक में, जहां उसकी अपनी सरकार है, भाजपा-जद(एस) गठबंधन का चारों सीटें जीतना पार्टी के लिए महज चुनावी झटका नहीं, बल्कि राजनीतिक चेतावनी है। सत्ता हाथ में होने के बावजूद यदि पार्टी शिक्षक और स्नातक मतदाताओं का भरोसा नहीं जीत पा रही, तो उसे विपक्ष पर हमला करने से पहले अपने घर की हालत देखनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैलेट पेपर से हुए चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर तंज कसते हुए पूछा कि पार्टी ने आखिर कितनी सीटें जीतीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पलटवार करते हुए वाराणसी में भाजपा की हार और नागपुर में कांग्रेस की जीत का हवाला दिया। उनका तर्क था कि भाजपा को भी अपने राजनीतिक गढ़ों में मिली हार पर आत्ममंथन करना चाहिए। बात गलत नहीं है। भाजपा भी चुनाव हारती है तो उसे जवाबदेही से छूट नहीं मिल सकती। लेकिन कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि दूसरे की हार गिनाने से अपनी हार का हिसाब खत्म नहीं होता। वाराणसी में भाजपा की पराजय कांग्रेस की जीत नहीं है और नागपुर का परिणाम कर्नाटक की चारों सीटों पर मिली हार का जवाब नहीं बन सकता। राजनीति में प्रतिवाद करना आसान है, अपने संगठन की नाकामी स्वीकार करना कठिन।

नागपुर में कांग्रेस उम्मीदवार अभिजीत वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहले को 3,271 मतों से हराया। वंजारी को 67,231 वोट मिले, जबकि कोहले को 63,960 मत प्राप्त हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय वाले शहर में कांग्रेस की इस जीत ने भाजपा के लिए भी असहज सवाल खड़े किए। मगर कांग्रेस को एक सीट की सफलता को अपनी वापसी का प्रमाण मानने की भूल नहीं करनी चाहिए। एक निर्वाचन क्षेत्र में जीत संगठन की ताकत दिखा सकती है, लेकिन व्यापक चुनावी कमजोरी पर पर्दा नहीं डाल सकती। बिहार में भी कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उसके सहयोगी दलों को सफलता मिली, लेकिन कांग्रेस अपना प्रभाव स्थापित नहीं कर सकी। गठबंधन का हिस्सा होना और अपने दम पर मतदाताओं का भरोसा जीतना अलग-अलग बातें हैं। कांग्रेस की परेशानी यही है कि वह सहयोगियों की जीत से राजनीतिक लाभ तो चाहती है, लेकिन अपने संगठन की कमजोरियों पर उतनी गंभीरता नहीं दिखाती। कर्नाटक का नतीजा इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। यहां कांग्रेस सरकार होने के बावजूद चारों सीटें भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन ने जीत लीं। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या उम्मीदवारों का चयन कमजोर था? क्या स्थानीय संगठन मतदाताओं तक पहुंचने में नाकाम रहा? क्या



सरकार के कामकाज को लेकर शिक्षित वर्ग में असंतोष है? इन सवालों का जवाब पार्टी को जमीनी स्तर पर तलाशना होगा। सत्ता में होने का अर्थ यह नहीं कि मतदाता हर चुनाव में सत्तारूढ़ दल के पक्ष में ही मतदान करेंगे। यदि शिक्षक और स्नातक जैसे मतदाता भी पार्टी से दूरी बनाते हैं, तो इसे विरोधियों की साजिश बताकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह उस राजनीतिक आत्मविश्वास के लिए खतरे की घंटी है, जिसके सहारे कांग्रेस कर्नाटक में अपनी सरकार को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती रही है।

इन चुनावों को लोकसभा या विधानसभा चुनावों के बराबर मानना भी उचित नहीं होगा। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं की संख्या सीमित होती है और स्थानीय मुद्दों का प्रभाव अधिक रहता है। फिर भी, इन नतीजों को मामूली बताकर किनारे नहीं किया जा सकता। शिक्षक अपने सामाजिक दायरे में जनमत तैयार करते हैं, जबकि स्नातक मतदाता शिक्षा, रोजगार, महंगाई और शासन जैसे सवालों पर दलों को परखते हैं। यदि कांग्रेस इन वर्गों के बीच प्रभाव खो रही है, तो उसे यह देखना चाहिए कि उसके राजनीतिक संदेश में कमी है या संगठन में। चुनाव केवल नारों से नहीं जीते जाते। मतदाता को यह भरोसा चाहिए कि उसकी समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने की क्षमता किस दल में है। ईवीएम पर कांग्रेस की आपत्तियों को भी इसी कसौटी पर परखना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है। जहां गड़बड़ी के ठोस प्रमाण हों, वहां जांच होनी चाहिए। लेकिन हर हार के बाद व्यवस्था को दोष देना राजनीतिक जिम्मेदारी से बचने का तरीका नहीं बनना चाहिए। अप्रैल 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम की विश्वसनीयता से संबंधित याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए बैलेट पेपर की व्यवस्था में लौटने की मांग स्वीकार नहीं की थी। इसका अर्थ यह नहीं कि चुनावी प्रक्रिया पर कभी सवाल नहीं उठाए जा सकते। इसका अर्थ यह है कि गंभीर आरोपों के लिए गंभीर प्रमाण भी चाहिए। केवल संदेह को बार-बार दोहराने से वह तथ्य नहीं बन जाता।

बैलेट पेपर से हुए चुनावों में कांग्रेस का कमजोर प्रदर्शन उसके राजनीतिक तर्कों को असहज जरूर करता है। लेकिन यह कहना भी गलत होगा कि इन नतीजों से ईवीएम पर उठाए गए हर सवाल का स्वतः खंडन हो गया। असली सबक इससे कहीं अधिक सीधा है। चुनावी सफलता किसी मशीन या मतपत्र की मोहताज नहीं होती; वह संगठन, उम्मीदवार, स्थानीय परिस्थितियों और मतदाताओं के भरोसे पर निर्भर करती है। कांग्रेस यदि बैलेट पेपर को अपनी समस्याओं का समाधान मान रही थी, तो इन परिणामों ने बता दिया कि मतदान का तरीका बदलने भर से राजनीतिक जमीन वापस नहीं मिलती। भाजपा को भी इन नतीजों से अजेय होने का भ्रम नहीं पालना चाहिए। वाराणसी में सपा की जीत और नागपुर में कांग्रेस की सफलता बताती है कि मजबूत माने जाने वाले राजनीतिक गढ़ों में भी मुकाबला बदल सकता है। मगर कांग्रेस को यह समझना होगा कि भाजपा की कमजोरी अपने आप उसकी ताकत नहीं बन जाती। विपक्ष बनने के लिए सरकार की आलोचना पर्याप्त नहीं है; जनता को बेहतर विकल्प भी देना पड़ता है। बेरोजगारी और महंगाई पर सवाल उठाना जरूरी है, लेकिन इनसे निपटने की ठोस नीति पेश करना उससे भी ज्यादा जरूरी है। कांग्रेस के सामने अब दो रास्ते हैं। वह हर हार के बाद नए आरोपों की ढाल तलाशती रहे या संगठन, नेतृत्व और नीतियों की कमजोरियों पर ईमानदारी से काम करे। पहला रास्ता आसान है, लेकिन राजनीतिक रूप से खोखला। दूसरा कठिन है, मगर वापसी की संभावना उसी में है। बैलेट पेपर हो या ईवीएम, मतदाता अंततः अपने अनुभव और भरोसे के आधार पर फैसला करता है। कांग्रेस को अब यह तय करना होगा कि वह चुनाव जीतने की तैयारी करेगी या हार के बाद सफाई देने की। क्योंकि जनता को बहाने नहीं, भरोसेमंद विकल्प चाहिए और भरोसा बयानबाजी से नहीं, जमीन पर किए गए काम से बनता है।

सू- दोकू क्र.203

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.202 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

शब्द सामर्थ्य -203

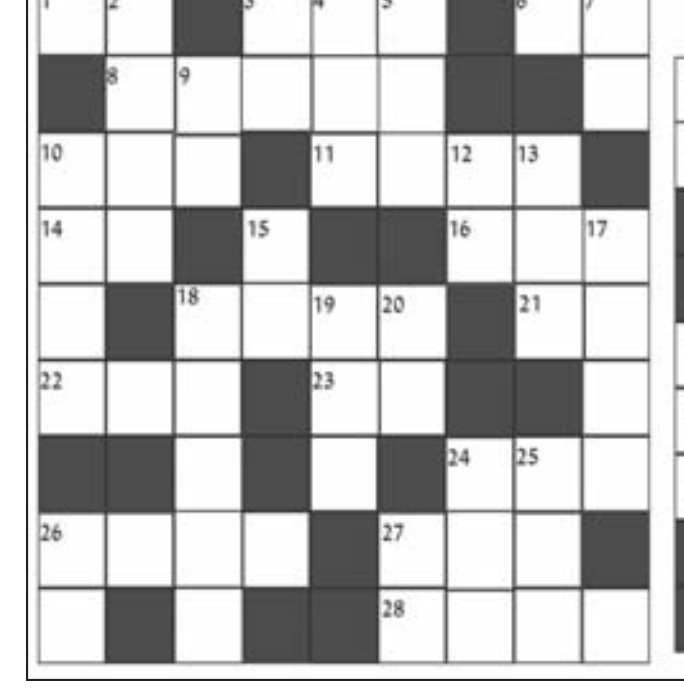
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भुत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कोड़ा 13. चोंचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 202 का हल



राशिफल

मेष आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदों और अवसरों के साथ आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। आर्थिक मामलों में लाभ के योग बनेंगे और आपकी स्थिति मजबूत हो सकती है, लेकिन बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक या मांगलिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में जल्दबाजी करने से बचें और किसी को उधार देने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें।

वृषभ आज भाग्य आपका साथ देता नजर आएगा और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी और धन के साथ मान-सम्मान में भी वृद्धि हो सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए किसी बड़ी ताकत से कम नहीं रहेगा और उनके सहयोग से कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। यात्रा या किसी खास मुलाकात के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

मिथुन आज आपके जीवन में राहत और सुकून का माहौल बनने वाला है। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां धीरे-धीरे दूर होंगी और आप पहले से अधिक सहज महसूस करेंगे। अपनी बुद्धिमानी और चतुराई से कठिन कामों को भी आसानी से पूरा कर पाएंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और घर का वातावरण खुशहाल रहेगा। कहीं घूमने-फिरने की योजना बन सकती है और अपनी पसंद की चीजों पर खर्च करने का मन होगा।

कर्क आज अचानक मिलने वाला लाभ आपके चेहरे पर खुशी ला सकता है। लंबे समय से अटका हुआ कोई काम गति पकड़ेगा और उसके पूरा होने की उम्मीद मजबूत होगी। हालांकि, दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करने से बचें, क्योंकि छोटी-सी बात भी विवाद का रूप ले सकती है। सरकारी कामकाज में धैर्य रखना होगा और प्रॉपर्टी से जुड़े फैसले सोच-समझकर लेने होंगे।

सिंह आज आपका व्यवहार, आत्मविश्वास और मधुर वाणी लोगों को प्रभावित करेंगे। नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा, जो आने वाले समय में तरक्की के अवसर लेकर आ सकता है। नौकरी करने वालों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, वहीं व्यापार में भी सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। जीवनसाथी का साथ आपको भावनात्मक मजबूती देगा और आप कठिन परिस्थितियों का सामना भी पूरे आत्मविश्वास से करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होने से मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी की सराहना होगी। समय पर काम पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और नई योजनाओं पर आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। संतान से जुड़ी किसी बात को नजरअंदाज न करें, बल्कि समय रहते उस पर ध्यान दें। परिवार और मित्रों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन हल्का और प्रसन्न रहेगा। बदलते मौसम में स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें। व्यापार में किसी बड़े बदलाव की योजना बना रहे हैं तो पहले उसके हर पहलू पर विचार करें।

तुला आज का दिन रिश्तों में मधुरता और जीवन में खुशियां बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। परिवार के साथ बिताए गए पल आपको मानसिक शांति देंगे। कोई पुराना लेन-देन समाप्त होने से आर्थिक या मानसिक राहत मिल सकती है। सरकारी मामलों में सतर्कता बरतें और सामाजिक या राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग अपने शब्दों तथा फैसलों पर विशेष ध्यान दें। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है।

वृश्चिक आज आपके लिए धैर्य और समझदारी से काम लेना सबसे ज्यादा जरूरी रहेगा। जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ सकती हैं और घर के लिए कोई नई वस्तु खरीदने का विचार बन सकता है। घर की सजावट या उसमें कुछ बदलाव करने की योजना भी आगे बढ़ सकती है। बच्चों के साथ समय बिताने से मन खुश रहेगा। हालांकि, वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें और जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं।

धनु आज का दिन व्यस्तता और भागदौड़ से भरा रह सकता है, लेकिन आपकी मेहनत अच्छे परिणाम दिलाने में सफल होगी। आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आएंगे और आप पूरे उत्साह के साथ उनका लाभ उठाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य से जुड़ी किसी पुरानी परेशानी में राहत मिलने की संभावना है। पिता की सलाह को गंभीरता से लें, क्योंकि उनके अनुभव से आपको सही दिशा मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना जरूरी होगा।

मकर आज आपको हर कदम पर सतर्कता और धैर्य बनाए रखने की जरूरत होगी। कामकाज में छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी पैदा कर सकती है, इसलिए किसी भी फैसले से पहले उसके परिणामों पर विचार करें। विद्यार्थियों का तनाव कम होगा और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ने के संकेत हैं। मेहनत का उचित फल मिलने से आत्मविश्वास मजबूत होगा। दूसरों पर आंख मूंदकर भरोसा करने के बजाय अपनी समझ और विवेक का इस्तेमाल करें।

कुंभ आज आपके सामने तरक्की और आगे बढ़ने के नए अवसर आ सकते हैं। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और अपनी योग्यता दिखाने का मौका मिलेगा। सरकारी कामों में कुछ इंतजार करना पड़ सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। किसी रिश्तेदार से मुलाकात पुराने संबंधों में फिर से अपनापन ला सकती है।

मीन आज का दिन नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दे रहा है। लंबे समय से रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और घर-परिवार में खुशियों का माहौल बन सकता है। परिवार के किसी सदस्य को करियर या नौकरी से जुड़ी अच्छी खबर मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से बातचीत करते समय अपने शब्दों पर संयम रखें, ताकि किसी तरह की गलतफहमी न पैदा हो।

सनातन ज्ञान परंपरा से आधुनिक भारत तक विकास का आधार

संजीव ठाकुर

"किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी कक्षाओं में लिखा जाता है।" यह कथन केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि इतिहास का प्रमाणित सत्य है। जिस राष्ट्र ने शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी ज्ञान को अपनाया, वही विश्व के नेतृत्वकर्ता राष्ट्रों में शामिल हुआ। भारतवर्ष की सनातन संस्कृति भी इस सत्य की साक्षी रही है। यहाँ शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का आधार माना गया। वैदिक काल से लेकर आधुनिक भारत तक ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी कौशल ने राष्ट्र की शक्ति, समृद्धि और वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं।

उपनिषदों का उद्घोष "सा विद्या या विमुक्तये" तथा "तमसो मा ज्योतिर्गमय" यह स्पष्ट करता है कि शिक्षा मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान, निर्बलता से सामर्थ्य और पराधीनता से आत्मनिर्भरता की ओर ले जाती है। यही कारण है कि प्राचीन भारत में गुरुकुल शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसमें चरित्र निर्माण, नैतिकता, कृषि, आयुर्वेद, शिल्प, युद्धकला, राजनीति, अर्थशास्त्र, खगोल विज्ञान और समाज व्यवस्था का भी समावेश था।

प्राचीन भारत : विश्व का ज्ञान केंद्र-भारत में तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी और कांचीपुरम जैसे विश्वविद्यालय विश्वभर के विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र थे। चीन, कोरिया, तिब्बत, श्रीलंका तथा दक्षिण-पूर्व एशिया से विद्यार्थी भारत में शिक्षा प्राप्त करने आते थे। यहाँ गणित, चिकित्सा, धातुकर्म, दर्शन, भाषा विज्ञान, न्यायशास्त्र, अर्थशास्त्र और स्थापत्य कला का उच्च अध्ययन कराया जाता था। आर्यभट्ट ने शून्य और दशमलव पद्धति को नई दिशा दी, वराहमिहिर ने खगोल विज्ञान को समृद्ध किया, सुश्रुत ने शल्य चिकित्सा को वैज्ञानिक आधार दिया तथा चरक ने आयुर्वेद को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया। यह उपलब्धियाँ प्रमाण हैं कि भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण साथ-साथ विकसित हुए।

अर्थशास्त्र और शिक्षा का संबंध-आचार्य चाणक्य ने अपने महान ग्रंथ अर्थशास्त्र में स्पष्ट कहा कि किसी राज्य की वास्तविक शक्ति उसके शिक्षित नागरिक, योग्य प्रशासक और सुदृढ़ आर्थिक तंत्र में निहित होती है। उनके अनुसार शिक्षा, अनुशासन और दक्ष प्रशासन के बिना कोई भी राज्य लंबे समय तक समृद्ध नहीं रह सकता। विश्वप्रसिद्ध अर्थशास्त्री एडम स्मिथ ने लिखा कि किसी राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति उसके नागरिकों की दक्षता और उत्पादक क्षमता होती है। आधुनिक अर्थशास्त्र में इसे "मानव पूंजी" कहा गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री थियोडोर डब्ल्यू. शुल्ट्ज़ ने सिद्ध किया कि शिक्षा पर किया गया निवेश किसी भी अन्य निवेश की तुलना में अधिक लाभ देता है। इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए गैरी बेकर ने मानव पूंजी सिद्धांत विकसित किया और बताया कि शिक्षित समाज अधिक उत्पादन करता है, नवाचार करता है तथा आर्थिक विकास को तीव्र गति प्रदान करता है। भारतीय अर्थशास्त्री एवं नोबेल पुरस्कार विजेता ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक डेवलपमेंट एस फ्रीडम में लिखा कि विकास केवल आय बढ़ाने का नाम नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों की समान उपलब्धता ही वास्तविक विकास का आधार है।

शिक्षा और तकनीकी ज्ञान : आधुनिक भारत की आवश्यकता-इक्कीसवीं सदी ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की सदी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष अनुसंधान, साइबर सुरक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं। आज जिन देशों ने अनुसंधान एवं विकास में निरंतर निवेश किया है, वे विश्व की आर्थिक महाशक्ति बने हुए हैं। जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, अमेरिका और इज़राइल इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इन देशों ने प्राकृतिक संसाधनों से अधिक मानव संसाधनों के विकास पर बल दिया। भारत भी डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा और तकनीकी विकास को नई दिशा दे रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का लक्ष्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक सोच, उद्यमिता, अनुसंधान, कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय स्थापित करना है। इस नीति मेंमातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा पर बल,कौशल आधारित शिक्षा का समावेश,व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाना,अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा।

डिजिटल शिक्षा का विस्तार,भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान का समन्वय औरतकनीकी आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय सुरक्षा शामिल है। आज युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते। साइबर हमले, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उपग्रह प्रणाली, ड्रोन तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान और डिजिटल संचार आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था के प्रमुख आधार बन चुके हैं। इसलिए शिक्षा और तकनीकी अनुसंधान केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की भी आधारशिला हैं।

पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक कहा करते थे "यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो हमें ज्ञान, विज्ञान और नवाचार को जन-आंदोलन बनाना होगा।"उनका विश्वास था कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसके युवा हैं, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वैज्ञानिक सोच से जोड़ना आवश्यक है।शिक्षा मनुष्य में निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति है।

का मानना था कि शिक्षा ऐसी हो जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाए तथा श्रम का सम्मान सिखाए।

शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा हथियार बताते हुए कहा— शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। शिक्षा मनुष्य को स्वतंत्र विचार और सृजनात्मकता प्रदान करती है।

संस्कृति और तकनीक का समन्वय-भारत की सनातन संस्कृति कभी विज्ञान विरोधी नहीं रही। यहाँ ज्ञान का उद्देश्य केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि मानव कल्याण भी रहा है। "वसुधैव कुटुम्बकम्", "सर्वे भवन्तु सुखिनः" और "लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु" जैसे आदर्श बताते हैं कि विज्ञान और तकनीक का उपयोग मानवता की सेवा के लिए होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीक और आधुनिक अनुसंधान के साथ भारतीय नैतिक मूल्य, पर्यावरण संरक्षण और मानवीय संवेदनाएँ भी जुड़ी रहें। तकनीक तभी सार्थक होगी जब वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचा सके।

यदि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी कौशल को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक शोध की संस्कृति विकसित करनी होगी। उद्योग, शिक्षा संस्थानों और अनुसंधान केंद्रों के बीच मजबूत साझेदारी स्थापित करनी होगी। ग्रामीण भारत तक डिजिटल शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक पहुँचानी होगी।

यह स्मरण रखना होगा कि किसी राष्ट्र की ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कें और विशाल उद्योग उसके विकास के प्रतीक अवश्य हो सकते हैं, किंतु उसकी वास्तविक शक्ति उसके शिक्षित, संस्कारित, वैज्ञानिक दृष्टि से सम्पन्न और तकनीकी रूप से दक्ष नागरिकों में निहित होती है। भारत की सनातन ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान का समन्वय ही वह आधारशिला है, जिस पर विकसित, आत्मनिर्भर, समृद्ध और विश्वगुरु भारत की भव्य पटकथा लिखी जाएगी।

एक नजर

किसानों ने बांसला में धान उपार्जन केंद्र खोलने के लिए सौंपा ज्ञापन



कांकेर, 30 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के ग्राम बांसला में स्थायी धान उपार्जन केंद्र खोलने की मांग को लेकर किसानों ने आज मंगलवार को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। किसानों का कहना है कि उपार्जन केंद्र नहीं होने के कारण आसपास की तीन ग्राम पंचायतों के करीब एक हजार किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए 10 से 15 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है. किसानों ने प्रशासन से धान खरीदी शुरू होने से पहले बांसला में स्थायी उपार्जन केंद्र खोलने की मांग की है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले किसानों ने अपनी मांग तेज कर दी है। उनके मुताबिक पूर्व में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत यहां धान खरीदी केंद्र खोला गया था, लेकिन स्थायी केंद्र की मांग अब तक पूरी नहीं हुई है। ग्राम बांसला के किसान रविंद्र कुमार कडियामअपनी धान की उपज बेचने के लिए 10 से 15 किलोमीटर दूर स्थित उपार्जन केंद्रों तक जाना पड़ता है। इससे परिवहन पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है और समय भी बर्बाद होता है। धान खरीदी के सीजन में यह परेशानी और बढ़ जाती है । कांकेर के एडीएम भागवत प्रसाद जायसवाल ने कहा कि आज जनदर्शन में 40 आवेदन आए हैं, जिसमें ग्राम पंचायत बांसला के किसानों ने नवीन धान खरीदी केंद्र खोलने को लेकर आवेदन दिया है। इस आवेदन को उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

कलेक्टर, एस पी ने राज्योत्सव स्थल पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

कांकेर, 30 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आगामी 2 नवंबर को आयोजित होने वाले राज्योत्सव- 2026 की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक श्री निखिल राखेचा ने आज नरहरदेव स्कूल मैदान स्थित आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, पेयजल, पार्किंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने तथा आयोजन को सुव्यवस्थित और गरिमामय बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर श्री भागवत प्रसाद जायसवाल सहित लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, उप संचालक पंचायत, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर ने किया बस्तर का भ्रमण

जगदलपुर, 30 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली के विशेष मॉनिटर जनजातीय कल्याण श्री आर. हेमंत कुमार ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान 29 अक्टूबर को बस्तर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर आदिवासी अधिकारों और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से मुलाकात कर उनके सशक्तिकरण की दिशा में हो रहे कार्यों की सराहना की। श्री हेमंत कुमार ने जगदलपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत तुरेनार स्थित ग्रोथ सेंटर, रेडी टू ईट इकाई और परचनपाल में सीसल कला केंद्र का भ्रमण किया। उन्होंने स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा निर्मित किए जा रहे स्थानीय उत्पादों की बारीकी से जानकारी ली। विशेष मॉनिटर ने न केवल उत्पादों की गुणवत्ता को सराहा, बल्कि इन उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने और अधिक से अधिक बिक्री कर आमदनी बढ़ाने के लिए महिलाओं को महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

खेत बचाव अभियान के तहत वैज्ञानिकों ने किसानों को बताए प्राकृतिक कीट नियंत्रण के उपाय

- धान की फसलों का किया निरीक्षण, नीमास्त्र और फेरोमोन ट्रैप के उपयोग की दी जानकारी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बीजापुर 30 अक्टूबर। जिले में किसानों को फसलों की सुरक्षा और खेती की लागत कम करने के उद्देश्य से खेत बचाव अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 29 अक्टूबर को भैरमगढ़ ब्लॉक के ग्राम दर्रापाल और बीजापुर ब्लॉक के ग्राम बोरजे में विशेष प्रक्षेत्र कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र बीजापुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शमशेर आलम और डॉ. राजकमल पटेल के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम ने दोनों गांवों के खेतों का निरीक्षण किया। इस दौरान धान की फसल और आगामी रबी फसलों की तैयारियों का जायजा लिया गया। वैज्ञानिकों ने खेतों में तना छेदक, भूरा माहू और ब्लास्ट जैसी बीमारियों एवं कीटों की पहचान कर किसानों को उनके नियंत्रण के उपाय बताए।

वैज्ञानिकों ने किसानों को रासायनिक कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से बचने और प्राकृतिक तरीकों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने नीमास्त्र, दशपर्णी अर्क और जीवामृत के उपयोग की जानकारी दी। साथ ही खेतों में कीटों की रोकथाम के लिए प्रकाश प्रपंच और फेरोमोन ट्रैप लगाने का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया।

वैज्ञानिकों ने कहा कि मौसम में बदलाव को देखते हुए किसान नियमित रूप से अपनी फसलों की निगरानी करें और कीट या बीमारी के शुरुआती लक्षण दिखाई देने पर उचित नियंत्रण के उपाय अपनाएं। प्राकृतिक और जैविक तरीकों से खेती की लागत कम करने के साथ मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण को भी सुरक्षित रखा जा सकता है। कार्यक्रम में दोनों गांवों के बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। किसानों ने वैज्ञानिकों से खेती से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा कर अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया।

बीजापुर की 155 पंचायतों में विकास को रफ्तार, 551 नए काम शुरू; 12 हजार से अधिक ग्रामीणों को रोजगार

- वीबी-जी राम जी योजना से गांवों में निर्माण कार्यों को गति, चालू वित्तीय वर्ष में 1.71 लाख से अधिक मानव दिवस सृजित

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता





बीजापुर 30 अक्टूबर। जिले में ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन को लेकर 155 ग्राम पंचायतों में 551 नए निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं। विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत चल रहे इन कार्यों से वर्तमान में 12,060 ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है। योजना के जरिए गांवों में विकास कार्यों को गति देने के साथ ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर काम उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

योजना के तहत ग्रामीणों की मांग के अनुरूप विभिन्न पंचायतों में अलग-अलग तरह के निर्माण एवं विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इनमें पौधरोपण, श्मशान घाट निर्माण, बालिका शौचालय, आजीविका डबरी, रेत फिल्टर, कंटूर ट्रेंच और बोल्डर चेक डेम निर्माण शामिल हैं। इन कार्यों के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, जल संरक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोगी परिसंपत्तियों के निर्माण का प्रयास किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत अब तक जिले में कुल 1,71,915 मानव दिवस सृजित किए जा चुके हैं। वहीं, वर्तमान में 12,060 ग्रामीणों को रोजगार मिलने की जानकारी दी गई है। ये आंकड़े जिले में संचालित रोजगारपरक निर्माण कार्यों के दायरे को दर्शाते हैं।

ग्रामीणों की मांग के आधार पर पंचायतों में काम शुरू होने से स्थानीय श्रमिकों को अपने गांव के आसपास रोजगार का अवसर मिल रहा है। साथ ही निर्माण कार्यों के जरिए गांवों में जरूरी सुविधाओं और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने की दिशा में पहल की जा रही है। अब इन कार्यों की निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखना भी महत्वपूर्ण होगा, ताकि रोजगार के साथ तैयार होने वाली परिसंपत्तियों का लाभ ग्रामीणों को लंबे समय तक मिल सके।

व्यापारियों को बांटे 15 लाख के सिक्के, प्रति सदस्य 10 हजार तक चिल्हर दिया गया

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



कांकेर, 27 अक्टूबर। जिले में त्योहारी व सामान्य दिनों में बाजार में चिल्हर की कमी से जूझ रहे व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है। कांकेर चेंबर ऑफ कॉमर्स और भारतीय स्टेट बैंक, शाखा कांकेर के संयुक्त तत्वावधान में आज मंगलवार को बाबा रामदेव मंदिर हॉल में सिक्का वितरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर के जरिए शहर के 150 से अधिक पंजीकृत व्यापारियों को कुल 15 लाख रुपए मूल्य के सिक्के (1, 2, 5 और 10 रुपए के मूल्यवर्ग में) वितरित किए गए। बैंक प्रबंधन की ओर से प्रति सदस्य व्यापारी को अधिकतम 10 हजार रुपए तक के सिक्के नकदी के बदले उपलब्ध कराने की सीमा तय की गई थी। भीड़ और अव्यवस्था से बचने के लिए चेंबर ने कूपन प्रणाली लागू की। इससे व्यापारी बिना कतार में फंसे आसानी से चिल्हर प्राप्त कर सके। इस दौरान सदस्यों को चेंबर के सदस्यता प्रमाण पत्र भी सौंपे गए।

कार्यक्रम को सुचारू बनाने में एसबीआई शाखा प्रबंधक ऋषि कटियार, व्यापारी प्रतिनिधि दिनेश रजक, भागवत माहेश्वरी, राकेश आहूजा, सचिन गिडलानी, दीपक शर्मा, राजू लच्छानी, पार्षद नरेंद्र साहू, सलीम मेमन आदि का योगदान रहा। अनूप शर्मा, अध्यक्ष, कांकेर चेंबर ऑफ कॉमर्स, कांकेर बाजार में 5, 10 या 20 रुपए के खुले पैसे न होने पर लेन-देन अटकता है, कई बार ग्राहक सामान छोड़कर लो लौट जाते हैं। टॉफी थमाने जैसी असहज स्थिति बनती है। चिल्हर उपलब्ध होने से काउंटर पर समय बचता है, और ग्राहक संतुष्टि बढ़ती है। डिजिटल पेमेंट बढ़ने के बावजूद किराना, सब्जी, डेयरी और स्टेशनरी जैसे रोजमर्रा के खुदरा व्यापार में 40 से 50 प्रतिशत लेन-देन अब भी नकद सिक्कों पर निर्भर है। एक साथ 15 लाख रुपए के सिक्कों का बाजार में आना स्थानीय अर्थव्यवस्था में सर्कुलेशन बूस्टर का काम करेगा। इससे थोक से लेकर छोटे फुटकर व्यापारियों तक नकदी चक्र निर्बाध चलेगा। इससे व्यापारिक घर्षण पूरी तरह समाप्त होगा।

संभाग में साइबर ठगों ने उड़ाए दस करोड़ रुपये,वापसी हुई महज 19.62 लाख की

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 30 अक्टूबर। बस्तर संभाग के सात जिलों में शातिर ठगों ने आम नागरिकों और सेवानिवृत्त कर्मियों की गाढ़ी कमाई पर डाका डालते हुए 10 करोड़ 61 लाख रुपये से अधिक की चपत लगा दी है। इसके विपरीत चिंताजनक पहलू यह है कि पुलिस अब तक महज 19.62 लाख रुपये की राशि ही वापस करा पाई है, जो कुल ठगी गई रकम का मात्र 1.85 प्रतिशत है। जनवरी से सितंबर 2026 के आधिकारिक आंकड़े के अनुसार नौ महीनों के दौरान संभाग में कुल 117 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें से सिर्फ 38 मामलों में अदालत में चालान पेश किया जा सका। सबसे दयनीय स्थिति बस्तर, कांकेर, कोंडागांव और सुकमा जिलों की रही, जहां पुलिस पीड़ितों का एक भी रुपया वापस कराने में नाकाम रही। बस्तर जिले में सर्वाधिक 44 मामले दर्ज हुए और 2.21 करोड़ रुपये लूटे गए, लेकिन रिकवरी शून्य रही। वहीं बस्तर संभाग में सर्वाधिक 3.30 करोड़ रुपये की ठगी दंतेवाड़ा जिले में दर्ज की गई, जहां 20 मामलों में से 10 में चालान हुए और 7.58 लाख रुपये रिकवर किए गए। वहीं नारायणपुर में 14 मामलों में 5.21 लाख और बीजापुर में 9 मामलों में 6.82 लाख रुपये की रिकवरी हुई। बीजापुर में 'डिजिटल अरेस्ट' का भी एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जिसमें एक पीड़ित को डरा-धमकाकर 2.01 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। साइबर अपराधों की जांच में आड़े आ रही बाधाओं पर विशेषज्ञों का कहना है कि ठग अंतरराज्यीय गिरोहों के जरिए फर्जी सिम और म्यूल बैंक खातों का इस्तेमाल करते हैं। पलक झपकते ही रकम कई खातों और ई-वॉलेट में ट्रांसफर कर ली जाती है। गोल्डन ऑवर में शिकायत न मिलने और दूसरे राज्यों की पुलिस से समन्वय में देरी के चलते रकम को फ्रीज कराना बेहद मुश्किल हो जाता है। पीड़ितों का कहना है कि सिर्फ एफआईआर दर्ज करने के बजाय रिकवरी पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

जनकल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर हो प्रभावी क्रियान्वयन: आर. हेमंत कुमार



जगदलपुर, 30 अक्टूबर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर जनजातीय कल्याण श्री आर. हेमंत कुमार बस्तर जिले के भ्रमण के दौरान एकलव्य मॉडल स्कूल तोकापाल सहित प्रयास विद्यालय जगदलपुर का निरीक्षण कर बच्चों के शैक्षणिक एवं समग्र व्यक्तित्व विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और इन बच्चों प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की पुस्तकें भी उपलब्ध करवाने कहा। वहीं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का निरीक्षण में युवाओं के कौशल विकास प्रशिक्षण संबंधी जानकारी ली और स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होने वाले ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान करने पर बल दिया। उन्होंने कलेक्टोरेट के आस्था कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक के दौरान जिले में अनुसूचित जनजाति और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के अधिकारों, संवैधानिक संरक्षण तथा धरातल पर संचालित विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाने कहा। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री तन्मय खन्ना, डीएफओ श्री दीपेश कपिल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुखनंदन राठौर सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मानिटर जनजातीय कल्याण श्री आर हेमंत कुमार ने जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में लक्षित माताओं एवं बच्चों को समेकित बाल विकास सेवाओं यथा स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पौष्टिक आहार की उपलब्धता सहित किशोरी बालिकाओं में एनीमिया की रोकथाम एवं फूड सप्लीमेंट के जरिये आयरन की उपलब्धता, आश्रम-छात्रावास एवं आवासीय विद्यालयों के बच्चों का रोस्टर के आधार पर स्वास्थ्य परीक्षण करने सहित स्थानीय स्तर पर उपलब्ध फूड सप्लीमेंट के माध्यम से आयरन फोलिक एसिड कंटेनेंट की उपलब्धता के लिए सकारात्मक प्रयास किए जाने पर जोर दिया। साथ ही इस संबंध में समुदाय की जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान चलाए जाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने आजीविका गतिविधियों के लिए कृषि तथा कृषि के आनुषांगिक पशुपालन, उद्यानिकी व मत्स्यपालन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं बताई और इन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने कहा और विशेष तौर पर कड़कनाथ कुक्कुट पालन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। वहीं लघु वनोपज के संग्रहण व मूल्य संवर्धन करने सहित उत्पादों के विपणन के लिए सकारात्मक पहल किए जाने पर बल देते हुए बेहतर मार्केटिंग प्लान बनाने कहा। वनोपज आधारित उत्पाद बनाने के लिए महिला स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने सहित आजीविका गतिविधियों तथा खेती-किसानी व आनुषांगिक गतिविधियों के लिए अधिकाधिक बैंक लिंकेज सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता निरूपित की और सहकारी बैंकों को इस दिशा में निर्धन परिवारों को सशक्त बनाने के हेतु सार्थक प्रयास करने कहा। उन्होंने भूमि स्वामियों के अभिलेखों का समुचित संधारण एवं उन्हें भूमि संबंधी दस्तावेज प्रदाय करने सहित उनकी समस्याओं का निस्तारण के लिए निरंतर प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री तन्मय खन्ना ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर श्री आर हेमंत कुमार के द्वारा दिए गए सुझावों एवं साझा किए गए अनुभवों को जिले के सभी विभागों के जरिये समन्वित रूप से क्रियान्वित करने का भरोसा दिलाया और उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

सोनारपाल में 65 लाख की पानी टंकी का निर्माण अधूरा

पेयजल संकट पर श्याम कुमारी ध्रुव ने उठाए सवाल

- हर घर नल, हर घर जल योजना पर सवाल; समस्या का समाधान नहीं होने पर चक्काजाम की चेतावनी



जगदलपुर, 30 अक्टूबर। नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोनारपाल में पेयजल समस्या को लेकर ग्रामीण परेशान हैं। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'हर घर नल, हर घर जल' योजना के तहत घर-घर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन सोनारपाल में लगभग 65 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन पानी टंकी का काम अब तक अधूरा होने की बात सामने आई है। इसके चलते ग्रामीणों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

इस मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश सचिव श्रीमती श्याम कुमारी ध्रुव ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब ग्रामीणों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, तो सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक कैसे पहुंचेगा? उन्होंने पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा के लिए ग्रामीणों को हो रही परेशानी पर चिंता जताई।श्याम कुमारी ध्रुव ने संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि पानी टंकी का निर्माण कार्य जल्द पूरा कराया जाए तथा ग्राम पंचायत सोनारपाल में पेयजल समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ग्रामीणों की पेयजल समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया, तो सोनारपाल के ग्रामीणों के साथ मिलकर चक्काजाम किया जाएगा।

ग्रामीणों की रही उपस्थिति

इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश सचिव श्याम कुमारी ध्रुव के साथ तुक्का राम पंडा, मालती नेताम, सुखनाथ नेताम सहित बड़ी संख्या में ग्राम सोनारपाल के महिला एवं पुरुष ग्रामीण उपस्थित रहे।लगभग 65 लाख रुपये की लागत से बन रही पानी टंकी का निर्माण कब पूरा होगा और सोनारपाल के ग्रामीणों को नियमित पेयजल कब मिलेगा?

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में क्षत्रिय महासभा के युवाओं ने किया रक्तदान



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 30 अक्टूबर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रास सोसाइटी जिला बस्तर जगदलपुर श्री आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को साकार करते हुए रेडक्रास सोसाइटी के तत्वावधान में क्षत्रिय महासभा समाजसेवी संस्था के युवाओं द्वारा महारानी अस्पताल जगदलपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

रक्तदान के इस पुनीत कार्य में युवाओं की सहभागिता की सराहना करते हुए क्षत्रिय महासभा के सचिव श्री कैलाश सिंह चैहान एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष श्री अलेक्जेंडर चेरियन द्वारा रक्तदानवीरों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर क्षत्रिय समाज के सचिव श्री कैलाश चैहान ने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी जरूरतमंद को रक्त उपलब्ध कराना मानवता की सच्ची सेवा है। रक्त की आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है। ऐसे में युवाओं को आगे आकर नियमित रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए, ताकि समय पर रक्त उपलब्ध होने से जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाया जा सके।

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, ब्लड बैंक उपसमिति के अध्यक्ष श्री अविनाश सिंह गौतम ने क्षत्रिय महासभा के युवाओं की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को रक्तदान जैसे सेवा कार्यों में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस सोसाइटी मानव सेवा, जनजागरूकता और जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में महारानी अस्पताल ब्लड बैंक प्रभारी वीरेंद्र ठाकुर सहित क्षत्रिय समाज के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य संतोष भदौरिया, लोकेश ठाकुर, प्रभात सिंह चैहान, अमित सेंगर, निहांसु सिंह, राजपाल सिंह,मयंक सिंह बैस, भवानी सिंह चैहान, ऋषभ चैहान, आयुष सिंह, शुभम सिंह राठौड़ इत्यादि उपस्थित थे।

पक्का पशु शेड बना आजीविका और आत्मनिर्भरता का नया आधार

जगदलपुर, 30 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर जिले के जनपद पंचायत जगदलपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत टोड़ापाल के सिरहापारा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव की नई इबारत लिख रही है। टोड़ापाल निवासी पदमा नाग की सफलता की कहानी इस बात का सशक्त प्रमाण है कि सही योजना और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ ग्रामीण आजीविका को नई दिशा दी जा सकती है। पदमा नाग का परिवार पीढ़ियों से केवल वर्षा आधारित पारंपरिक खेती पर निर्भर था। आजीविका को सहारा देने के उद्देश्य से परिवार ने पशुपालन शुरू तो किया, लेकिन मवेशियों को रखने के लिए कोई पक्का शेड उपलब्ध नहीं था। इसके चलते भीषण गर्मी, कड़ाके की ठंड और बारिश के मौसम में जल जमाव व कीचड़ के बीच मूक पशु खुले आसमान के नीचे रहते थे।

एक नजर

मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों को दी गई जानकारी



रायगढ़, 30 अक्टूबर। आगामी निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) को सुव्यवस्थित और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन, निर्धारित समय-सीमा में कार्यों को पूरा करने तथा मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।डिप्टी कलेक्टर श्री धनराज मरकाम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के संदर्भ में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रक्रिया 12 नवंबर 2026 से प्रारंभ होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुनरीक्षण कार्यक्रम की कार्यप्रणाली और दायित्वों के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान करना है, ताकि मतदाता सूची तैयार करने के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित हो सके। जिला एवं विधानसभा स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर आगे संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।निर्वाचन नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके माध्यम से मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में कार्य किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप सभी दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने तथा पुनरीक्षण कार्य को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के मास्टर ट्रेनर उपस्थित थे।

श्रमिकों के मेधावी बच्चों को पढ़ाई के लिए 12,500 रुपये की सहायता राशि, टॉप-10 में आने पर मिलेंगे एक लाख रुपए

रायगढ़, 30 अक्टूबर । श्रमिक परिवारों के मेधावी बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा शैक्षणिक प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। इसके तहत पात्र विद्यार्थियों को कक्षा 10वीं-12वीं से लेकर स्नातक, स्नातकोत्तर और व्यावसायिक शिक्षा तक निर्धारित मापदंडों के अनुसार आर्थिक सहायता दी जाएगी। योजना का उद्देश्य आर्थिक अभाव के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने से रोकना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।योजना के तहत मंडल में पंजीकृत पात्र असंगठित कर्मकारों के प्रथम दो बच्चों को निर्धारित पात्रता के अनुसार एकमुश्त सहायता राशि दी जाएगी। कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को 5,000 से 5,500 रुपये, स्नातक स्तर पर 7,000 से 7,500 रुपये, स्नातकोत्तर स्तर पर 10,000 से 10,500 रुपये तथा व्यावसायिक एवं प्रोफेशनल शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 12,000 से 12,500 रुपये तक की सहायता का प्रावधान है। इस योजना का लाभ एक शैक्षणिक वर्ष में एक बार दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं अथवा 12वीं की परीक्षा में टॉप-10 में स्थान प्राप्त करने वाले पात्र विद्यार्थियों के लिए एक लाख रुपये की सहायता का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, दुपहिया वाहन क्रय के लिए भी एक लाख रुपये की सहायता का उल्लेख है। इन विशेष लाभों के लिए निर्धारित पात्रता एवं दस्तावेज संबंधी शर्तों का पालन करना होगा।योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन की तिथि से कम से कम 90 दिन पहले संबंधित मंडल में पंजीयन होना आवश्यक है। विद्यार्थी को उत्तीर्ण कक्षा के बाद अगले शैक्षणिक सत्र में अध्ययनरत होना चाहिए। हालांकि, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की अंतिम कक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए इस शर्त में छूट का प्रावधान है। पात्र विद्यार्थी विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा चॉइस सेंटर, श्रमेव जयते मोबाइल ऐप अथवा श्रम संसाधन केंद्र के माध्यम से भी आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। ॅ

जल संरक्षण की शपथ के साथ ग्रामीणों को जल गुणवत्ता जांच का दिया गया प्रशिक्षण

रायगढ़, 30 अक्टूबर। घर-घर नल से जल पहुंचने से ग्रामीण परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव आ रहा है। जिन परिवारों को पहले पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था, उन्हें अब घर पर ही पानी की सुविधा मिल रही है। इससे विशेषकर महिलाओं का समय और श्रम बच रहा है, वहीं बच्चों और अन्य सदस्यों को भी पानी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता। चिटकाकानी और त्रिभौना गांव के ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल के महत्व से अवगत कराने के साथ जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया भी समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान पानी के नमूने में निर्धारित मात्रा में रसायन मिलाकर उसकी जांच करने और प्राप्त परिणाम का निर्धारित मानकों से मिलान करने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षक ने फ्लोराइड की अधिकता से होने वाली फ्लोरोसिस बीमारी के बारे में भी बताया तथा जांच के दौरान निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने पर जोर दिया।

चिटकाकानी और त्रिभौना गांव के ग्रामीणों ने नल से जल मिलने के बाद अपनी दिनचर्या में आए इस बदलाव को साझा किया। ग्राम चिटकाकानी की एक महिला हितग्राही ने बताया कि घर में पानी की सुविधा शुरू होने से काफी समय बच रहा है। महिलाओं को पानी के लिए इधर-उधर आने-जाने की परेशानी से भी राहत मिली है। वहीं, गांव की प्राथमिक शाला की शिक्षिका ने बताया कि सभी घरों में नल की सुविधा मिल गई है और पर्याप्त मात्रा में पानी पहुंच रहा है। इसी तरह ग्राम त्रिभौना की एक हितग्राही ने बताया कि अब नहाने और कपड़े धोने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता। घर में ही पानी मिलने से परिवार के सदस्यों को सुविधा हो रही है।

12 नवंबर जनजातीय गौरव दिवस पर गरियाबंद के पांच विद्यार्थियों को राष्ट्रपति दिल्ली में करेंगी सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



गरियाबंद, 30 अक्टूबर। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने छुरा विकासखंड के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोसमबुड़ा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से बातचीत की और विषयों के साथ सामान्य ज्ञान से जुड़े सवाल पूछे। विद्यार्थियों द्वारा सही जवाब देने पर कलेक्टर ने तालियां बजवाकर उनका उत्साह बढ़ाया।

बातचीत के दौरान विद्यार्थियों ने सिविल सर्विस, मेडिकल, इंजीनियरिंग और फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा जताई। कलेक्टर ने उनकी रुचि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अभी से लक्ष्य निर्धारित करने और नियमित पढ़ाई करने की सलाह दी। उन्होंने नीट, जेईई और आईआईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। साथ ही शिक्षकों को भी इन परीक्षाओं की जानकारी देने और विद्यार्थियों को बेहतर तैयारी कराने के निर्देश दिए।विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत और कक्षा बारहवीं का परिणाम 98 प्रतिशत रहा। उन्होंने इसे विद्यार्थियों और शिक्षकों की मेहनत का परिणाम बताया। विद्यालय के दो विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के विद्यार्थियों का एमबीबीएस के लिए चयन हुआ है। इसके अलावा, पांच विद्यार्थियों को 12 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा।कलेक्टर ने विद्यालय में जिला स्तरीय संचालन समिति की बैठक लेकर शैक्षणिक व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा भी की। बैठक में विद्यार्थियों के नामांकन, रिक्त सीटों, पीवीटीजी विद्यार्थियों के प्रवेश, शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय पदों और आगामी बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम संबंधी लक्ष्यों पर चर्चा हुई। खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों, भोजन व्यवस्था और विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाओं की भी जानकारी ली गई।विद्यालय प्रबंधन ने बैठक में आवश्यक सुविधाओं और समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया। इस पर उन्होंने विद्यालय परिसर के मैदान का समतलीकरण, स्टडी रूम, ओपन ऑडिटोरियम, नलकूप, शौचालय तथा ट्रांसफार्मर के पास सुरक्षा जाली लगाने जैसे कार्यों के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि एकलव्य विद्यालयों का उद्देश्य जनजातीय बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है।

70 करोड़ की लागत से बन रहा है कोपरा-पोखरा मार्ग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गरियाबंद, 30 अक्टूबर। जिले में कोपरा-पोखरा मुख्य जिला मार्ग का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य शुरू हो गया है। 26.20 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के निर्माण के लिए 70 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण कराया जा रहा है।

कोपरा-पोखरा मार्ग जिले का महत्वपूर्ण सड़क संपर्क मार्ग है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 130-सी से निकलकर राजिम-फिंगेश्वर-महासमुंद मुख्य जिला मार्ग को जोड़ता है। इसके साथ ही राजिम-पोखरा मुख्य जिला मार्ग से भी संपर्क स्थापित करता है।सड़क निर्माण पूरा होने के बाद महासमुंद जिले तक पहुंचने के लिए लोगों को कम दूरी तय करनी पड़ेगी। इससे यात्रियों के समय की बचत होगी और आवागमन अधिक सुविधाजनक बनेगा। बेहतर सड़क संपर्क से किसानों, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों को भी लाभ मिलेगा।

झलोक निर्माण विभाग के अनुसार, सड़क का निर्माण निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है। मार्ग के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण से यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है।

गरियाबंद में युवाओं को मिलेगा नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गरियाबंद, 30 अक्टूबर। जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसायटी, गरियाबंद में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत युवक-युवतियों को लगभग तीन माह का निःशुल्क गैर-आवासीय कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस योजना का उद्देश्य युवाओं को रोजगार से जुड़ा कौशल उपलब्ध कराना है, ताकि वे प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार के अवसर हासिल कर सकें।प्रशिक्षण के लिए 15 से 45 वर्ष के अभ्यर्थी कंप्यूटर हेल्पडेस्क और फोर व्हीलर सर्विस असिस्टेंट पाठ्यक्रम में आवेदन कर सकते हैं। वहीं, नव्या प्रोजेक्ट के तहत 16 से 25 वर्ष की युवतियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से अभ्यर्थियों को संबंधित क्षेत्र की व्यावहारिक जानकारी और कौशल सीखने का अवसर मिलेगा।इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन के साथ पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाणपत्र तथा जाति एवं निवास प्रमाणपत्र की छायाप्रति जमा करनी होगी। आवेदन जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसायटी, टोनही नाला के आगे, देवभोग रोड, गरियाबंद में किया जा सकता है।प्रशिक्षण के लिए पहले आवेदन करने वाले हितग्राहियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसलिए इच्छुक युवक-युवतियों से जल्द आवेदन करने की अपील की गई है। पाठ्यक्रम, आवेदन प्रक्रिया और अन्य आवश्यक जानकारी के लिए अभ्यर्थी सीधे लाइवलीहुड कॉलेज में संपर्क कर सकते हैं।

पटवारियों की हड़ताल के बीच जिला प्रशासन ने पूरा कराया धान के रकबे का सत्यापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



रायगढ़, 30 अक्टूबर । पटवारियों की हड़ताल के बीच रायगढ़ जिला प्रशासन ने धान के रकबे के भौतिक सत्यापन का काम लगभग पूरा कर लिया है। जिस काम में पटवारियों की भूमिका को अहम माना जाता है, उसे राजस्व विभाग ने राजस्व निरीक्षकों, सर्वेयरों, कोटवारों और किसानों के सहयोग से आगे बढ़ाते हुए उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। जिले में निर्धारित 1 लाख 52 हजार 49 धान खसरों में से 1 लाख 48 हजार 773 से अधिक का पॉलीगॉन जनरेशन पूरा हो चुका है। इस तरह 98 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। शेष खसरों का पीवी भी पूरा करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

जिले में पटवारियों की हड़ताल के बीच किसानों के धान विक्रय की प्रक्रिया प्रभावित न हो और वास्तविक रकबे का सत्यापन समय पर हो सके, इसके लिए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत मैदानी अमले को सक्रिय किया। तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों, राजस्व निरीक्षकों और सर्वेयरों ने गांवों में पहुंचकर किसानों तथा कोटवारों के सहयोग से खेतों की पहचान की और भौतिक सत्यापन का कार्य किया। समन्वित प्रयास और तकनीक के उपयोग से इस महत्वपूर्ण कार्य को पटवारियों की अनुपस्थिति में भी पूरा किया गया।

धान के रकबे का सत्यापन केवल ऑनलाइन रिकॉर्ड के आधार पर नहीं किया गया, बल्कि खेतों तक पहुंचकर वास्तविक स्थिति की पुष्टि की गई। थर्ड पार्टी सर्वेयरों को संबंधित खसरों की जानकारी देकर मौके पर भेजा गया। गांव के कोटवारों ने खेत और उसके मालिक की पहचान कराने में मदद की। इसके बाद किसानों से संपर्क कर उन्हें अपने खेत तक बुलाया गया। किसानों ने स्वयं अपने खेत की सीमा बताई, जिसके आधार पर सर्वेयरों ने मौके पर पॉलीगॉन तैयार किया और धान से संबंधित आवश्यक जानकारी दर्ज की। इस प्रक्रिया में किसान की प्रत्यक्ष भागीदारी से खेत की पहचान की पुष्टि हुई, वहीं स्थानीय कोटवार के सहयोग से भी जानकारी का मिलान किया गया। इससे सर्वेयरों को सही खेत तक पहुंचने और वास्तविक स्थिति के अनुरूप पॉलीगॉन तैयार करने में मदद मिली।

राजस्व नक्शे और गूगल मैप के मिलान से सटीकता पर जोर

भौतिक सत्यापन को अधिक सटीक बनाने के लिए तहसीलों में राजस्व नक्शों का गूगल मैप से मिलान भी किया गया। इससे संबंधित खसरे की वास्तविक भौगोलिक स्थिति समझने और मौके पर सही खेत तक पहुंचने में सहायता मिली। मैदानी सत्यापन, किसान की पुष्टि, कोटवार के सहयोग और नक्शे के मिलान कर त्रुटिरहित बनाने का प्रयास किया गया। यह प्रक्रिया डीसीएस के दूसरे चरण के अंतर्गत की जा रही है।

शपथ



डाक विभाग ने मनाया सतर्कता जागरूकता सप्ताह, विद्यार्थियों को दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ

रायगढ़, 30 अक्टूबर । भारतीय डाक विभाग के रायगढ़ संभाग द्वारा आगामी 1 नवंबर 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम सत्यनिष्ठा से समृद्धि रखी गई है। अभियान के शुभारंभ पर 26 अक्टूबर को अधीक्षक डाकघर रायगढ़ संभाग के नेतृत्व में संभाग के सभी डाकघरों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की शपथ ली। साथ ही केंद्रीय सतर्कता आयोग की वेबसाइट पर ऑनलाइन प्रतिज्ञा लेकर डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त किए।युवाओं को जागरूक करने के लिए केएमटी कॉलेज रायगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई।

चक्रवात अर्नब के प्रभाव से भारी बारिश की आशंका को देखते हुए प्रशासन अलर्ट

रायगढ़, 30 अक्टूबर। चक्रवात अर्नब के प्रभाव से जिले में भारी बारिश की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने सभी विभागों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने, निचले इलाकों में निगरानी रखने तथा जरूरत पड़ने पर राहत एवं बचाव कार्य तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए हैं। आम नागरिकों की सहायता एवं आपात स्थिति में सूचना देने के लिए प्रशासन द्वारा हेल्पलाइन नंबर 07762-223750 जारी किया गया

जाति प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए नहीं लगानी पड़ी दौड़, चंद दिनों में ही सेवा सेतु पोर्टल से मिला प्रमाणपत्र



रायगढ़, 30 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल पहल सेवा सेतु ऑनलाईन पोर्टल आम नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं को सरल और सुलभ बना रही है। इसके माध्यम से चंद दिनों में ही घर बैठे जरूरी प्रमाण-पत्र उपलब्ध हो जा रहे है। अब विभिन्न प्रमाण पत्रों के लिए किसी भी सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। इससे समय, श्रम और खर्च की बचत हो रही है।

गौरतलब है कि घरघोड़ा तहसील के ग्राम अमलीडीह निवासी भारती गुप्ता ने बताया कि उन्हें छात्रवृत्ति के लिए जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। सेवा सेतु पोर्टल की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने आवश्यक दस्तावेजों के साथ जाति प्रमाण पत्र के लिए 26 अक्टूबर को घर बैठे ऑनलाइन आवेदन किया। जो 28 अक्टूबर को अनुमोदन हो गया। अब वे शैक्षणिक कार्यों और पात्रतानुसार शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रमाण पत्र का उपयोग कर सकेंगी। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ शासन को धन्यवाद दिया।छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रशासनिक सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने की दिशा में ÷सेवा सेतु÷ पोर्टल प्रभावी माध्यम के रूप में उभर रहा है। डिजिटल सुशासन की इस अभिनव पहल के तहत अब प्रदेश के नागरिकों को 450 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

समाजसेवी बाबूलाल अग्रवाल को मिलेगा महाराजा अग्रसेन सम्मान, जिले के लिए गौरव की बात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



रायगढ़, 30 अक्टूबर। रायगढ़ के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी श्री बाबूलाल अग्रवाल का छत्तीसगढ़ शासन के प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन सम्मान-2026 के लिए चयन हुआ है। सामाजिक समरसता के संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए राज्य शासन ने उन्हें इस सम्मान के लिए चुना है। आगामी 3 नवंबर को राज्योत्सव के अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित राज्य अलंकरण समारोह में उन्हें दो लाख रुपये की सम्मान राशि, प्रतीक चिह्न और सम्मान पत्र प्रदान किया जाएगा।

श्री बाबूलाल अग्रवाल के चयन पर वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी.चौधरी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने इसे रायगढ़ जिले के लिए गौरव का विषय बताया और उनके सामाजिक योगदान की सराहना की। श्री बाबूलाल अग्रवाल पेशे से वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। वे विभिन्न सेवा संगठनों से जुड़कर सामाजिक सरोकारों के लिए कार्य कर रहे है। तीन नवंबर को राज्योत्सव के अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित राज्य अलंकरण समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। उनका चयन रायगढ़ जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय लोगों के लिए प्रेरणादायी है।

जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला 31 अक्टूबर को

रायगढ़, 30 अक्टूबर। आयुष विभाग द्वारा आम नागरिकों को सुलभ एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 31 अक्टूबर, शनिवार को कौहाकुंडा पहाड़ मंदिर के पास प्राथमिक शाला परिसर में जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। यहां आयुर्वेद एवं होम्योपैथी पद्धति से उपचार के साथ निःशुल्क औषधियों का वितरण किया जाएगा।

मेले में रक्त परीक्षण, काढ़ा वितरण तथा योग संबंधी परामर्श की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा नशामुक्ति, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और अस्थि एवं मांसपेशियों से संबंधित विकारों के उपचार व परामर्श पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिला आयुष अधिकारी डॉ. मीरा भगत ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वास्थ्य मेले में पहुंचकर उपलब्ध निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं।

भारत की विविधता, लोकतांत्रिक परंपरा और राष्ट्रीय एकता को कोई शक्ति मिटा नहीं सकती : नीलू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बालोद, 30 अक्टूबर। भारत की सांस्कृतिक विविधता, लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय एकता को रेखांकित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य पर्यटन मंडल के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नीलू शर्मा ने कहा कि भारत विविधताओं से परिपूर्ण एक सशक्त लोकतांत्रिक राष्ट्र है। इसकी जड़ें इतनी गहरी हैं कि कोई भी ताकत देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को नष्ट नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति संवैधानिक मर्यादाओं, जनविश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं के सम्मान में निहित है।

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व, भाजपा छत्तीसगढ़ एवं लोक जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में 22 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित राष्ट्रव्यापी 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता भगाओ' अभियान के अंतर्गत गुरुवार को बालोद नगर स्थित कुर्मी भवन में संजारी-बालोद विधानसभा स्तरीय 'राष्ट्र चेतना संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोकतंत्र की मजबूती, निर्वाचन प्रक्रिया, राष्ट्रीय चेतना और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर प्रबुद्धजनों ने विचार साझा किए।कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट वक्ताओं में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती शताब्दी पांडे, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सुनील सोनी, पद्मश्री डोमार सिंह कुंवर, शिक्षाविद् सुरेंद्र ताम्रकार तथा पुरुषोत्तम देशमुख शामिल रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ।इस कार्यक्रम के संयोजक एवं राष्ट्र चेतना संवाद के जिला संयोजक एवं वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश देशमुख द्वारा अतिथियों का रामचरितमानस ग्रंथ भेंटकर स्वागत किया गया, वहीं उपस्थित प्रबुद्धजनों का हनुमान चालीसा भेंटकर अभिनंदन किया गया।

मुख्य वक्ता नीलू शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत विश्व का एक सशक्त लोकतांत्रिक देश है, जहां संविधान सर्वोपरि है। उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार सड़क के दबाव से नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं के अनुरूप संचालित होती है। संसद देश की सर्वोच्च विधायी संस्था है और लोकतांत्रिक विमर्श का प्रमुख केंद्र है।उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए मतदाता सूची की शुद्धता, निर्वाचन व्यवस्था की विश्वसनीयता तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जनविश्वास के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समाज में भ्रम और संशय का वातावरण निर्मित करने वाली गतिविधियों के प्रति नागरिकों को सजग रहना चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक जागरूक नागरिक का कर्तव्य है।नीलू शर्मा ने उपस्थित बुद्धिजीवियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए विभिन्न विषयों पर अपना पक्ष रखा और संवाद को सार्थक दिशा प्रदान की।भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती शताब्दी पांडे ने निर्वाचन आयोग की भूमिका, उसकी संस्थागत निष्पक्षता तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अनिवार्यता पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने मतदाता सूची के नियमित अद्यतन और निर्वाचन प्रक्रिया की निरंतरता को लोकतंत्र की विश्वसनीयता के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए आवश्यक है।कार्यक्रम में पद्मश्री डोमार सिंह कुंवर ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति 'भारत महतारी, मैं तोला बंदव दाई' के माध्यम से उपस्थित जनसमुदाय को भावविभोर कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने सभागार में राष्ट्रप्रेम, मातृभूमि के प्रति समर्पण और सांस्कृतिक गौरव की भावना को सशक्त अभिव्यक्ति दी। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सुनील सोनी, शिक्षाविद् सुरेंद्र ताम्रकार एवं पुरुषोत्तम देशमुख ने भी लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय दायित्वों से जुड़े विषयों पर अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए।

राष्ट्र चेतना संवाद में साहित्यकारों, कवियों, लेखकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, इंजीनियरों, समाजसेवियों, अधिवक्ताओं एवं पत्रकारों सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजनों ने सहभागिता की। कार्यक्रम ने राष्ट्रीय विषयों पर विचार-विमर्श, प्रश्नोत्तर और वैचारिक आदान-प्रदान के लिए एक साझा मंच प्रदान किया।इस अवसर पर सिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष टीकम पिपरिया, विधि प्रकोष्ठ से नीतू सोनवानी, अनीता साहू, संगीता बाला शर्मा, सेवंत साहू, नारायण टुवानी, वैभव साहू, सोमेश यादव, साहित्यकार डॉ. लक्ष्मण उमरे, गोपाल मानिकपुरी, बी.आर. बेलसर, आर.के. वर्मा, एजाज खान, निशा योगी, जितेन्द्र साहू, ललिता पिमन साहू, अरुण साहू, धर्मेंद्र साहू, सुरेंद्र देशमुख, करुणा कश्यप, अमितचोपड़ा, संजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सुरेंद्र देशमुख ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन बंशीलाल साहू ने किया।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए जागरूक नागरिक समाज जरूरी

भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय संगठनों की राजनीतिक गतिविधियों का उल्लेख करते हुए भारतीय लोकतंत्र को अस्थिर करने के कथित प्रयासों पर अपना विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए नागरिकों का जागरूक, विवेकशील और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्ध होना आवश्यक है।पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष पवन साहू ने बांग्लादेश एवं नेपाल सहित अन्य देशों के राजनीतिक घटनाक्रमों का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की राष्ट्रीय अस्मिता, सांस्कृतिक विरासत और लोकतांत्रिक परंपराएं उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।राष्ट्रीय चेतना संवाद के जिला संयोजक एवं वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश देशमुख ने सभा को संबोधित करते हुए कहा – लोकतंत्र को अस्थिर करने का दुष्प्रयास और अराजकतावादी विपक्षी दलों के अलावा लोकतांत्रिक पद्धति से चुनी गई सरकार को किस तरह से अंतरराष्ट्रीय साजिश के तहत स्थित करने के लिए आंदोलन किया जा रहा है उनके मोहब्बत की दुकान से हिंसा और नफरत की आग निकल रही है और उन्होंने इन तथ्यों पर विचार विमर्श की सम्यक जानकारी दी।

एक नजर

एसबीआई लाइफने छत्तीसगढ़ में शुरू किया 'बीमा की बात' अभियान

रायपुर,30 अक्टूबर। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने आईआरडीएआई के '2047 तक सभी के लिए बीमा' विजन के तहत छत्तीसगढ़ में 'बीमा की बात' जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। रायपुर से रवाना की गई विशेष कैंटर वैन प्रदेश के सभी 33 जिलों में पहुंचकर लोगों को जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के प्रति जागरूक करेगी।आईआरडीएआई की राज्य बीमा योजना के तहत छत्तीसगढ़ में जीवन बीमा के लिए लीड इंश्योरर की जिम्मेदारी निभा रही एसबीआई लाइफ इस अभियान के माध्यम से लोगों को बीमा का महत्व समझाएगी। कैंटर वैन में एलईडी के जरिए ऑडियो-विजुअल सामग्री और इंटरैक्टिव मॉड्यूल प्रस्तुत किए जाएंगे। इनमें स्थानीय छत्तीसगढ़ी भाषा का उपयोग किया जाएगा, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोग आसानी से बीमा की जानकारी प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग के एडिशनल डायरेक्टर अंकित मोदी, एसबीआई लाइफके पश्चिम क्षेत्र के जोनल डायरेक्टर राजीव श्रीवास्तव और भोपाल के रीजनल डायरेक्टर अमित कुमार साहा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कंपनी का उद्देश्य इस पहल के माध्यम से परिवारों को वित्तीय सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और जीवन बीमा की पहुंच बढ़ाना है।

एआई+ स्मार्टफोन 15 नवंबर से होंगे महँगे, कीमतों में 3,000 रुपये तक की बढ़ोतरी

रायपुर,30 अक्टूबर। एआई+ स्मार्टफोन ने 15 नवंबर 2026 से अपने पोर्टफोलियो के चुनिंदा स्मार्टफोन मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। कंपनी के अनुसार, बढ़ती कंपोनेंट लागत और बाजार में लागत संबंधी दबाव के चलते यह फैसला लिया गया है। चुनिंदा स्मार्टफोन की कीमतों में 1,000 से 3,000 रुपये तक की बढ़ोतरी होगी।नई कीमतें एआई+ पल्स 2 एफ़ई, पल्स 2, नोवा 2 5जी, नोवा 2 नियो 5जी, नोवा 2 पावर 5जी, नोवा 2 प्रो 5जी और नोवा 2 अल्ट्रा 5जी के चुनिंदा वैरिएंट पर लागू होंगी। हालांकि, एआई+ नोवाफ्लिप 5जी की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह स्मार्टफोन पहले की तरह 49,999 रुपये में उपलब्ध रहेगा। कंपनी ने ग्राहकों को मौजूदा कीमतों पर स्मार्टफोन खरीदने का अवसर देते हुए कहा है कि 14 नवंबर तक सभी संबंधित मॉडल पुरानी कीमतों पर उपलब्ध रहेंगे। एआई+ स्मार्टफोन का कहना है कि लागत में बढ़ोतरी के बावजूद कंपनी ग्राहकों को किफायती कीमतों पर बेहतर तकनीक, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

रिटायरमेंट के बाद भी मिलेगी नियमित आमदनी, आईसीआईसीआई लाइफ ने लॉन्च किया नया पेंशन प्लान

रायपुर,30 अक्टूबर। रिटायरमेंट के बाद नियमित आमदनी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 'आईसीआईसीआई लाइफ गारंटीशुदा इंडेक्स्ड पेंशन प्लान' लॉन्च किया है। इसमें गारंटीशुदा और वेरिएबल एन्युटी का विकल्प मिलेगा। वेरिएबल एन्युटी निफ्टी 50 टोटल रिटर्न इंडेक्स से जुड़ी होगी, जिससे बाजार के प्रदर्शन के आधार पर पेंशन बढ़ने की संभावना रहेगी। ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार 60 से 100 प्रतिशत तक गारंटीशुदा आमदनी चुन सकते हैं। प्लान में एक या दो लोगों के लिए पेंशन, खरीद मूल्य वापस पाने और जरूरत पड़ने पर पांच साल की गारंटीशुदा पेंशन का 99 प्रतिशत तक एडवांस लेने की सुविधा भी उपलब्ध है।

महिला आयोग ने 30 प्रकरणों की सुनवाइ कीं, 10 नस्तीबद्ध

रायपुर, 30 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में रायपुर जिले के प्रकरणों की जनसुनवाई आयोजित की गई। आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी की उपस्थिति में कुल 47 प्रकरणों में से 30 पर सुनवाई हुई। इनमें 10 प्रकरणों का निराकरण कर नस्तीबद्ध किया गया। जनसुनवाई के दौरान बैंक से संबंधित एक प्रकरण में आवेदिका के पक्ष के समर्थन में बैंक की महिला अधिकारी ने अपना बयान दर्ज कराया। आयोग ने अनावेदक पक्ष को शिकायत का जवाब और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए 15 दिन का समय दिया।

जगन्नाथपुर-दरबारी नवागांव-डेंगरापार पक्की सड़क 6.98 करोड़ की लागत से बनेगी

- पक्की सड़क और पुल निर्माण से हजारों ग्रामीणों को मिलेगी आवागमन की सुगम सुविधा
- बरसों पुरानी मांग पूरी होने से ग्रामीणों के खिले चेहरे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद,30 अक्टूबर। ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण और दूरस्थ अंचलों को मुख्य मार्गों से जोड़ने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिले के ग्राम जगन्नाथपुर-दरबारी नवागांव-डेंगरापार क्षेत्र के निवासियों को जल्द ही एक बड़ी सौगात



मिलने जा रही है। इस मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 6 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण 6 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है। इस बहुप्रतीक्षित सड़क के निर्माण से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और राहगीरों को आवागमन की सुगम व सुरक्षित सुविधा प्राप्त होगी।

ग्राम डेंगरापार निवासी श्री धुरसिंह ने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि ग्रामीण लंबे समय से इस जर्जर मार्ग पर पक्की सड़क निर्माण की लगातार मांग कर रहे थे। पूर्व में सड़क की हालत बेहद खराब थी और जगह-जगह गहरे गड्ढे बने रहते थे। इसके चलते आवागमन करना जोखिम भरा होता था। बरसात के दिनों में कीचड़ और गड्ढों के कारण किसानों को अपने खेतों से धान और सोसायटियों से खाद-बीज लाने-ले जाने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि अब सड़क निर्माण होने से ग्रामीणों की राह आसान हो जाएगी और आवागमन पूरी तरह सुरक्षित व सुलभ रहेगा।

ग्राम दरबारी नवागांव निवासी श्री दयाराम साहू ने बताया कि कच्ची और गड्ढों से भरी सड़क होने के कारण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती थी। साथ ही साथ बीमार व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाने और स्कूली बच्चों को आने-जाने में अत्यधिक परेशानी झेलनी पड़ती थी। अब 6.98 करोड़ रुपये की लागत से बन रही पक्की सड़क और पुलिया से न केवल दुर्घटनाओं पर विराम लगेगा, बल्कि क्षेत्र के सभी ग्रामों का सामाजिक व आर्थिक जुड़ाव भी मजबूत होगा।

ग्रामीणों ने वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान होने और क्षेत्र को पक्की सड़क की सौगात मिलने पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त की है। ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के संवेदनशील नेतृत्व और सुशासन की सराहना करते हुए इस बहुप्रतीक्षित विकास कार्य के लिए शासन-प्रशासन के प्रति सहृदय आभार प्रकट किया है।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक अब 5 नवंबर को

बालोद, 30 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक की तिथि में संशोधन किया गया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली बैठक अब 5 नवंबर 2026 को सुबह 11 बजे से जिला पंचायत सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक का एजेंडा पूर्ववत रहेगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील कुमार चंद्रवंशी द्वारा जारी संशोधित सूचना के अनुसार बैठक में जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों सहित संबंधित जनप्रतिनिधियों को उपस्थित होने की सूचना दी गई है। इसके साथ ही सभी विभागों एवं कार्यालय प्रमुखों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

खराब मौसम भी नहीं रोक सका पोषण आहार वितरण

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचाया सूखा राशन





- कलेक्टर श्रीमती मिश्रा के निर्देशानुसार बच्चों के पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता, खराब मौसम में भी जारी रही हितग्राहियों तक राशन पहुंचाने की पहल

बालोद, 30 अक्टूबर। चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव के बीच भी जिले में प्रशासन द्वारा बच्चों और महिलाओं के पोषण की व्यवस्था प्रभावित नहीं होने दी गई। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के संवेदनशील नेतृत्व एवं उनके निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग ने पोषण आहार वितरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने खराब मौसम की परिस्थितियों में भी हितग्राहियों के घर-घर पहुंचकर सूखा राशन वितरित किया, ताकि बच्चों को पोषण आहार मिलने में किसी प्रकार की बाधा न आए।

मौसम की चुनौती के बीच घर-घर पहुंचा राशन

चक्रवात के कारण मौसम प्रभावित होने की आशंका के बीच आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने अपनी जिम्मेदारी पूरी तत्परता से निभाई। जिले के छिंदगांव, कुमुड़कट्टा, कुंजकन्हार, ढोरीठेमा और धोबनी सहित अनेक गांवों में हितग्राहियों को सूखा राशन वितरित किया गया। इस पहल से प्रतिकूल मौसम के दौरान भी पोषण आहार पहुंचाने की व्यवस्था अनवरत जारी रही।

बच्चों के पोषण से नहीं होने दिया समझौता

बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए नियमित और पर्याप्त पोषण जरूरी है। विशेषकर आपदा और खराब मौसम जैसी परिस्थितियों में बच्चों एवं अन्य पात्र हितग्राहियों तक पोषण आहार पहुंचाना महत्वपूर्ण हो जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने पोषण सेवाओं की निरंतरता को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए, ताकि परिस्थितियां कैसी भी हों, हितग्राहियों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास जारी रहें।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भूमिका रही सराहनीय

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने घर-घर जाकर सूखा राशन वितरित कर सेवा भावना और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। उनका यह प्रयास शासन की पोषण संबंधी योजनाओं को जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण रहा।

चक्रवात 'अर्नब' के दौरान पोषण आहार वितरण जारी रखना जिला प्रशासन की संवेदनशीलता और जमीनी स्तर पर कार्यरत अमले की सक्रियता का उदाहरण है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार बच्चों के पोषण को प्राथमिकता देते हुए किए गए इन प्रयासों से यह संदेश स्पष्ट है कि विपरीत परिस्थितियों में भी जनकल्याणकारी सेवाओं की निरंतरता बनाए रखना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

बेमौसम बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता,कटाई के समय खेतों में भरा पानी

- फसल बर्बाद होने की आशंका से किसान चिंतित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 30 अक्टूबर। चक्रवाती तूफान और लगातार बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। धान की फसल कटाई के लिए तैयार थी, लेकिन बेमौसम बारिश के कारण खेतों में पानी भर जाने से किसानों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। खेतों में जलभराव से धान की फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका है, जिससे किसान आर्थिक संकट को लेकर चिंतित हैं।

किसानों का कहना है कि उन्होंने मेहनत कर फसल तैयार की थी। अब जब धान कटाई का समय आया, तो बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। किसानों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि खेती में पहले ही खाद, बीज



और अन्य कृषि कार्यों पर काफी खर्च हो चुका है। ऐसे में फसल खराब होने से उनकी लागत निकालना भी मुश्किल हो सकता है। किसानों का कहना है कि संकट की इस घड़ी में सरकार को उनके साथ खड़े होकर राहत प्रदान करनी चाहिए, ताकि उनकी मेहनत और आजीविका को सहारा मिल सके।

पति की दीर्घायु और परिवार की खुशहाली के लिए महिलाओं ने रखा करवा चौथ का व्रत



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 30 अक्टूबर। पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन में खुशहाली की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं ने श्रद्धा एवं उल्लास के साथ करवा चौथ का पर्व मनाया। इस अवसर पर पूरे तिल्दा-नेवरा नगर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

करवा चौथ के अवसर पर मां मावली मंदिर सहित नगर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालु महिलाओं की विशेष चहल-पहल रही। पारंपरिक परिधानों और सोलह शृंगार में सजी महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा करवा चौथ की कथा सुनकर अपने परिवार की मंगलकामना की।

पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बाजारों में भी पर्व की रौनक रही। महिलाओं ने पूजा सामग्री, करवा, फल-फूल एवं श्रृंगार सामग्री की खरीदारी कर पर्व की तैयारियां कीं।

मान्यता के अनुसार, करवा चौथ का व्रत पति की लंबी उम्र और दांपत्य जीवन की खुशहाली के लिए रखा जाता है। शाम को चंद्र दर्शन एवं पूजा के पश्चात महिलाओं ने व्रत का पारण किया। पूरे नगर में श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला।

हज़रत मख़दूमी साहब के उर्स पाक में शामिल हुए विधायक इन्द्र साव,क्षेत्र की खुशहाली के लिए की दुआ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 30 अक्टूबर। हज़रत सैय्यद मीर अहमद हुसैन मख़दूमी रहमतुल्लाह अलैह के उर्स पाक के अवसर पर श्रद्धा एवं उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक इन्द्र साव ने शिरकत कर हज़रत की दरगाह में चादर चढ़ाई और क्षेत्र की आवाम की खुशहाली, अमन-चैन एवं तरक्की के लिए दुआ की।

विधायक इन्द्र साव के जय स्तंभ चौक पहुंचने पर उर्स कमेटी के अध्यक्ष शेख मोईन कुरैशी के नेतृत्व में आतिशबाजी कर उनका जोरदार स्वागत किया गया। इसके पश्चात विधायक संदल एवं चादर शरीफके जुलूस में शामिल हुए। उन्होंने यंग कमेटी के सदस्यों एवं मुस्लिम जमात के लोगों को उर्स पाक की मुबारकबाद दी।

जुलूस के पश्चात विधायक इन्द्र साव दरगाह शरीफ पहुंचे, जहां उन्होंने मजार पर



चादर चढ़ाकर क्षेत्र की आवाम की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए दुआ की। उर्स पाक का यह आयोजन सिमगा की गंगा-जमुनी तहजीब, सामाजिक सौहार्द और आपसी प्रेम का प्रतीक रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मुस्लिम जमात के लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि शैली भाटिया, हिरेन्द्र कोसले, पार्षद याकूब कुरैशी, पार्षद प्रतिनिधि गोलू पाटकर, अजीत भट्ट, हाजी कौशर अली, यूनुस मोहम्मद, अकरम कुरैशी, सलीम भाई ट्रक ओनर, पूर्व पार्षद आरिफभाई, अनमोल शुक्ला, ताहिर अली, रफ्फू भाई, मीर अली, नईम खान, नफील भाई, बशीरुद्दीन सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम जमात के लोग उपस्थित थे।

भाई दूज पर रहेगा स्थानीय अवकाश

बालोद, 30 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुरूप और स्थानीय नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन बालोद द्वारा वर्ष 2026 की स्थानीय अवकाश सूची में संशोधन किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार अब जिले में 'गोवर्धन पूजा' के स्थान पर 'भाई दूज (दीपावली)' के पावन पर्व पर स्थानीय अवकाश रहेगा। पूर्व में घोषित 9 नवंबर 2026 को गोवर्धन पूजा के अवसर पर स्थानीय अवकाश निर्धारित किया गया था। अब इसके स्थान पर 11 नवंबर 2026 को 'भाई दूज (दीपावली)' के अवसर पर संपूर्ण बालोद जिले में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

जे. बी. स्कूल के विद्यार्थियों ने किया मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक अहमदाबाद शैक्षणिक भ्रमण

- मनोरंजन के साथ जीवनोपयोगी कौशल, आत्मनिर्भरता और व्यावहारिक ज्ञान सीखने का मिला अवसर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



तिल्दा/रायपुर 30 अक्टूबर। जे. बी. स्कूल, तिल्दा द्वारा विद्यार्थियो की अनुभवात्मक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 23 से 27 अक्टूबर 2026 तक अहमदाबाद का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। यह यात्रा विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, मनोरंजन, रोमांच और नई जानकारियाँ प्राप्त करने का एक यादगार अनुभव रही।

इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को अहमदाबाद के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और दर्शनीय स्थलों को देखने तथा उनके महत्व को समझने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने अक्षरधाम मंदिर, अमूल फैक्ट्री, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, साबरमती आश्रम, साबरमती रिवरफ्रंट, अटल ब्रिज, कांकरिया झील, गुजरात साइंस सिटी, अदलज की बावड़ी, जैसे प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया और अहमदाबाद की ऐतिहासिक विरासत, स्थापत्य कला, विज्ञान, संस्कृति और आधुनिक विकास को समझा।

विद्यार्थियों ने इस यात्रा का भरपूर आनंद लिया। यात्रा के दौरान उन्होंने अपने मित्रों के साथ समय बिताने, समूह में कार्य करने, समय प्रबंधन, अनुशासन, सहयोग, जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता जैसे महत्वपूर्ण जीवनोपयोगी कौशलों को व्यवहार में सीखने का अवसर प्राप्त किया। नए स्थानों को देखना, विभिन्न अनुभवों से गुजरना और अपने दैनिक परिवेश से बाहर निकलकर सीखना उनके लिए एक समृद्ध अनुभव रहा।

इस रोमांचक यात्रा को अभिभावकों ने भी सराहा। अभिभावकों ने कहा कि ऐसी यात्राएँ बच्चों को केवल मनोरंजन ही नहीं देतीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, सामाजिक व्यवहार और व्यावहारिक समझ को भी मजबूत बनाती हैं। इस प्रकार के अनुभव बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने, परिस्थितियों को समझने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं।

विद्यालय द्वारा इससे पूर्व भी विशाखापत्तनम, हैदराबाद, जयपुर और दिल्ली जैसे प्रमुख शहरों के शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किए जा चुके हैं। इन यात्राओं के माध्यम से विद्यार्थियों को देश की ऐतिहासिक धरोहर, विविध संस्कृति, आधुनिक विकास और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को करीब से जानने का अवसर मिलता रहा है। विद्यालय का प्रयास है कि विद्यार्थियों की शिक्षा केवल पुस्तकों और पाठ्यक्रम तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़कर उनकी दक्षताओं का विकास किया जाए।

प्रधानाचार्या ममता ऐरी एवं प्रमोदा परीदा ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों में आवश्यक दक्षताओं, जीवन कौशलों, आत्मविश्वास, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। शैक्षणिक भ्रमण बच्चों को अनुभवों के माध्यम से सीखने, अपने निर्णय लेने, दूसरों के साथ समन्वय स्थापित करने और जीवन के महत्वपूर्ण पाठ समझने के साथ-साथ अपने विद्यालय के मित्रों के साथ यादगार समय व्यतीत करने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करता रहेगा, जिनसे विद्यार्थियों का शैक्षणिक ज्ञान समृद्ध हो, उनकी सोच का दायरा विस्तृत हो और वे एक आत्मविश्वासी, सक्षम, संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित हों।

अहमदाबाद का यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए सुखद स्मृतियों के साथ-साथ अनेक नई सीख लेकर आया। यह यात्रा इस विचार को सशक्त करती है कि वास्तविक शिक्षा कक्षा की चारदीवारी से आगे बढ़कर जीवन के अनुभवों से सीखने में निहित है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जशपुर के 37 यात्री करेंगे अमृतसर और वैष्णोदेवी के दर्शन



रायपुर, 30 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के 37 यात्रियों को नवंबर माह में तीर्थ यात्रा पर ले जाया जाएगा। यात्रा का कार्यक्रम 10 से 15 नवंबर 2026 तक निर्धारित है। इस दौरान यात्री अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर, वैष्णो माता मंदिर और वाघा बॉर्डर का भ्रमण करेंगे। यात्रा के लिए इच्छुक पात्र व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन के साथ दो पासपोर्ट आकार के फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र की छायाप्रति और मेडिकल प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। योजना में छत्तीसगढ़ के निवासी वरिष्ठ नागरिक, विधवा एवं परित्यक्त महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। चयन में ग्रामीण क्षेत्र के 75 प्रतिशत और नगरीय क्षेत्र के 25 प्रतिशत यात्रियों को शामिल किया जाएगा। हितग्राहियों में 80 प्रतिशत बीपीएल और 20 प्रतिशत एपीएल श्रेणी के होंगे। एपीएल आवेदक आयकरदाता की श्रेणी में नहीं होना चाहिए। आवेदक ने पहले इस योजना का लाभ न लिया हो, वह शासकीय सेवक न हो और गंभीर संक्रामक रोग से ग्रसित न हो। 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति, जो अकेले यात्रा करने में असमर्थ हैं, अपने साथ 21 से 50 वर्ष आयु का एक सहायक ले जा सकते हैं। पति-पत्नी में से किसी एक का चयन होने पर जीवनसाथी भी यात्रा कर सकेगा।

एक नजर

छग में चक्रवाती तूफान का असर होगा कम

रायपुर, 30 अक्टूबर। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि कुछ स्थानों पर तेज वर्षा हुई। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार चक्रवाती सिस्टम अब कमजोर पड़ने की ओर बढ़ रहा है। इसके अवदाब से कमजोर होकर कम दबाव के क्षेत्र में बदलने की संभावना है। इससे आने वाले समय में बारिश की गतिविधियों में कमी आ सकती है। प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बादल बरसे। कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश हुई, जबकि एक-दो स्थानों पर अच्छी वर्षा दर्ज की गई। तापमान की बात करें तो दुर्ग में अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, शुक्रवार को रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के अनेक स्थानों पर बारिश हो सकती है। राजधानी में आसमान सामान्यतः मेघमय रहने की संभावना है। दिन में एक-दो बार बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

गौरीशंकर बने कांग्रेस मीडिया विभाग के संयोजक

रायपुर, 30 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के



उपाध्यक्ष गौरीशंकर पांडे को प्रदेश कांग्रेस कमेटी किसान विभाग का प्रदेश मीडिया संयोजक मीडिया इंचार्ज के पद पर नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर पांडे ने पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार माना है। उन्होंने कहा है कि मैं इस जिम्मेदारी पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा।

अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल में बड़ी बचत

रायपुर, 30 अक्टूबर। अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल दिवाली एडिशन 28 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जो ग्राहकों के लिए आकर्षक डील्स, एक्स्ट्रा बचत और अमेज़न की अब तक की सबसे तेज़ डिलीवरी लेकर आया है। स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर फैशन, होम एसेंशियल और रोज़मर्रा की ज़रूरतों तक, ग्राहक हर प्रोडक्ट कैटेगरी में टॉप ब्रांड्स से बेमिसाल ऑफर्स पा सकते हैं। ग्राहकों को एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड ईएमआई ट्रांजैक्शन पर 10त्न का इंस्टेंट डिस्काउंट भी मिलेगा, जबकि प्राइम मेंबर्स को लाखों प्रोडक्ट्स के चुनिंदा सिलेक्शन पर अतिरिक्त ?250 का कैशबैक मिलेगा। यह दिवाली एडिशन हर कैटेगरी में ब्लॉकबस्टर डील्स से भरा हुआ है। 12 महीने तक की नो कॉस्ट ईएमआई के साथ मोबाइल और एक्सेसरीज़ पर 40% तक की छूट पाएं, और एप्पल, कैनन, सोनी व अन्य ब्रांड्स के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स पर 80% तक की छूट पाएं। फैशन और ब्यूटी प्रेमी मोकोबारा, क्रॉक्स, स्केचर्स, लैक्मे, बिबा और गैप जैसे टॉप ब्रांड्स पर 80त्न तक की बचत कर सकते हैं। घर के लिए, रोज़मर्रा की ज़रूरतों के सामानों पर 70% तक की छूट है और निंजा, सेंचुरी, हीरो मोटोकॉर्प और बॉश जैसे ब्रांड्स के एक लाख से अधिक होम, किचन और आउटडोर्स प्रोडक्ट्स पर फ्लैट 50% की छूट है, साथ ही इको और फायर टीवी डिवाइसेज पर शानदार डील्स उपलब्ध हैं। अमेज़न पे त्योहारों की शॉपिंग को हर कदम पर और भी ज़्यादा फायदेमंद बनाता है।

पीडीएस राशन दुकानों से शक्कर गायब : वर्मा

रायपुर, 30 अक्टूबर। पीडीएस राशन दुकानों में शक्कर की अनुपलब्धता को लेकर सवाल उठाते हुए



प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि राशन दुकानों से शक्कर ही गायब नहीं हुए इस सरकार का इकबाल खत्म हो चुका, जनता का राशन भ्रष्टाचार की भेट चढ़ गया है, अधिकारी बेलगाम हो गए हैं, छत्तीसगढ़ की जनता त्रस्त है। जिस प्रदेश में गन्ने की भरपूर खेती हो रही है, सहकारी शक्कर कारखाने पर्याप्त उत्पादन कर रहे हैं, कभी मिठास की कमी नहीं होती थी, आज उस छत्तीसगढ़ की गरीब जनता को दिवाली के ठीक पहले राशन दुकानों से शक्कर के लिए तरसना पड़ रहा है। भाजपा सरकार के कुप्रबंधन और प्रशासनिक अकर्मण्यता के कारण पीडीएस का पूरा सिस्टम चरमरा गया है। आदिवासी क्षेत्रों में चान गुड़ और राशन की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि सरकार तत्काल हर राशन कार्डधारी को शक्कर और चान गुड़ की आपूर्ति सुनिश्चित करे, अन्यथा कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक इस गरीब-विरोधी सरकार के खिलाफउग्र आंदोलन करेगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकार एक तरफसबका साथ, सबका विकास और कथित सुशासन के अमृत काल के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी तरफ दिवाली जैसे सबसे बड़े त्योहार के समय राशन दुकानों से शक्कर गायब है। यह सिर्फप्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि गरीब विरोधी मानसिकता का स्पष्ट प्रमाण है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन सामग्री का समय पर आवंटन और वितरण सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

क्या रमन सिंह की एनएसजी सुरक्षा भी हटाई जायेगी? : बैज

रायपुर, 30 अक्टूबर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने बस्तर सहित प्रदेश के जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा को रिव्यू किया है। गृह मंत्री का दावा है कि नक्सली समाप्त हो गये है। अतः सुरक्षा की जरूरत नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को नक्सल प्रभावित राज्य का मुख्यमंत्री रहने के कारण एनएसजी सुरक्षा मिली है। वे ब्लैक कैट कमांडो से घिरे रहते है। उनको मुख्यमंत्री पद से हटे भी 8 साल से अधिक हो रहे है। यदि सभी की सुरक्षा नक्सल समाप्त होने के कारण हटाई जा रही तो क्या रमन सिंह की भी एनएसजी सुरक्षा हटाई जायेगी? उनको भी पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में मिलने वाली जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जाए। प्रदेश के अनेक नेताओं विशेषकर बस्तर के भाजपा नेताओं को केंद्र सरकार के द्वारा सीआरपीएफ का विशेष सुरक्षा दी गयी है क्या उसको भी हटाने के लिए राज्य सराकर अनुशंसा करेगा? यदि सुरक्षा को लेकर कोई निर्णय लिया जा रहा है तो उसमें भेदभाव नहीं होना चाहिए। सुरक्षा हटाने के पहले क्या सरकार ने इंटेलिजेंस इन्पुट लिया है कि जिनको अब तक सुरक्षा नहीं मिली है उनको अब सुरक्षा की जरूरत नहीं है? बस्तर के जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा हटाने के बाद कोई अनहोनी होती है तो क्या सरकार उसकी नैतिक जिम्मेदारी लेगी?



'फसल नुकसान का आकलन कर मुआवजा घोषित करे सरकार'

चक्रवाती अर्नब तूफान के चलते बेमौसम हुई बारिश से फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर तत्काल मुआवजे की घोषणा करने की मांग करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि बेमौसम और प्राकृतिक मार से धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। हम स्पष्ट मांग करते हैं कि सरकार तत्काल सर्वे करवा कर फसल नुकसानी का आकलन करे और जहां पर भी फसल पूरी तरह खराब हुआ है, वहां धान के लिये 3358 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ अर्थात 70, 518 रुपए प्रति एकड़ एकमुश्त मुआवजा देने का ऐलान करें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि खराब मौसम, कीट प्रकोप और अतिवृष्टि से किसानों की खरीफफसल, विशेषकर धान पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। सरकार ने अब तक कोई ठोस सर्वे या नुकसानी का आकलन नहीं कराया है। प्रशासनिक उदासीनता ने किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है।

एसआईआर की प्रारंभिक मतदाता सूची पर कांग्रेस का हमला

आपत्तियों का समाधान नहीं तो जाएंगे हाईकोर्ट : भूपेश

रायपुर, 30 अक्टूबर। दुर्ग जिले में एसआईआर के तहत मतदाता सूची को लेकर कांग्रेस ने सरकार और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भिलाई, रिसाली, भिलाई-चरोदा नगर निगम और जामुल नगर पालिका की प्रारंभिक मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के वार्ड बदलने का दावा किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आपत्तियों का समाधान नहीं हुआ तो पार्टी हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी।



पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता कर बताया कि भिलाई नगर निगम में वार्ड 3 से 5 में 192, वार्ड 5 से 3 में 493, वार्ड 9 से 10 में 721 और वार्ड 9 से 11 में 556 मतदाताओं को स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह वार्ड 15 से 14 में 232, वार्ड 17 से 18 में 316 और वार्ड 59 से 60 में 228 मतदाताओं के नाम स्थानांतरित होने का दावा किया गया। रिसाली में भी वार्ड 3 से 4 में 250, वार्ड 25 से 24 में 358 और वार्ड 26 से 31 में 416 मतदाताओं के स्थानांतरण का मुद्दा उठाया गया।

उन्होंने भिलाई-चरोदा में वार्ड 2 से 3 में 202 और वार्ड 22 से 23 में 304 मतदाताओं के नाम जाने का दावा किया गया। वहीं जामुल के वार्ड 20 से 19 में 196 मतदाताओं के स्थानांतरण का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि 30 अक्टूबर तक आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है। इसके साथ चेतावनी दी कि यदि आपत्तियों का समाधान नहीं हुआ तो पार्टी हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी।

कांग्रेस देश में अराजकता और अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रही : भाजपा

रायपुर, 30 अक्टूबर। भूपेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने 1 नवंबर को दिल्ली में कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित प्रदर्शन को छत्तीसगढ़ की अस्मिता, सनातन संस्कृति और देश के अर्थतंत्र पर सोचा-समझा हमला करार देते हुए कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया है। ठाकुर ने कहा कि वोट चोरी और चुनाव आयोग के खिलाफ झूठा व भ्रामक नैरेटिव गढ़कर कांग्रेस देश में अराजकता और अस्थिरता फैलाने की कुत्सित कोशिश कर रही है, जिसमें छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेताओं की भागीदारी उनके राज्य-विरोधी चेहरे को बेनकाब करती है।



भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि 1 नवंबर का दिन समूचे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और गौरव का दिन है। इस दिन राज्य की जनता अपना स्थापना दिवस मनाती है। ऐसे ऐतिहासिक अवसर पर छत्तीसगढ़वासियों के साथ कंधा-से-कंधा मिलाकर खड़े होने, प्रदेश के विकास और जन-कल्याण के संकल्प को दोहराने के बजाय छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी नेता दिल्ली में अराजकता का एजेण्डा सेट करने जा रहे हैं। अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता खो चुकी कांग्रेस को छत्तीसगढ़ की पहचान और स्वाभिमान से कोई सरोकार नहीं है; वे केवल अपने आकाओं को खुश करने के लिए राज्य की जनता की भावनाओं का सौदा कर रहे हैं।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर 12 पर्यवेक्षकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त

रायपुर, 30 अक्टूबर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर विभागीय प्रक्रिया पूरी करते हुए प्रदेश के विभिन्न जिलों में पदस्थ 12 पर्यवेक्षकों की विभागीय परिवीक्षा अवधि समाप्त करने का आदेश जारी किया गया है। विभागीय समिति की 12 अक्टूबर को हुई बैठक में की गई अनुशंसा के आधार पर 22 अक्टूबर को यह आदेश जारी हुआ। परिवीक्षा अवधि पूरी करने वाले पर्यवेक्षक बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बालोद, दुर्ग और रायपुर जिले में पदस्थ हैं। इनमें माया यादव, सुश्री अनुका चन्द्रवंशी, सुश्री धनेश्वरी



नाग, रितु देवांगन, सुश्री रजनी भौमना, संध्या साहू, डिम्पल साहू, तृप्ति शर्मा, अंजू सिंह, सुश्री अम्बा पटेल, सुश्री गुंजा ध्रुव और कंचन माहेश्वरी शामिल हैं। तृप्ति शर्मा के मामले में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने की तिथि के आधार पर परिवीक्षा अवधि समाप्त करने की कार्यवाही की गई है। यह आदेश छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 8(6) के तहत जारी किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्थायी पद उपलब्ध नहीं होने के कारण फिलहाल स्थायीकरण का आदेश जारी नहीं किया गया है। पद उपलब्ध होने पर नियमानुसार उन्हें स्थायी किया जाएगा।

भूमिपूजन



रायपुर, 30 अक्टूबर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं विधायक सुनील सोनी ने रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वामनराव लाखे वार्ड, कुशालपुर, प्रोफेसर कॉलोनी में चतुर्दिक मार्ग डामरीकरण का भूमिपूजन किया।

राशन कार्डधारकों को मिलेगा सुपर फाइन चावल : नेताम

रायपुर, 30 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के राशन कार्ड धारकों को जनवरी 2027 से 'सुपर फाइन' यानि उच्च गुणवत्ता वाला चावल मिलेगा। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने इसकी घोषणा की है। एकात्म परिसर में संवाददाताओं से चर्चा में कृषि मंत्री ने यह भी बताया कि प्रदेश में धान खरीदी की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। सरकार 15 नवंबर से किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदेगी। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदा जाएगा। दूसरी फसल लेने पर किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये प्रोत्साहन मिलेगा।



पहले राशन में मिलने वाले चावल में 25% से 30% तक टूटा हुआ चावल (कनकी) होता था। अब नए नियमों के तहत टूटे हुए चावल की मात्रा को घटाकर अधिकतम 10% कर दिया गया है। यानि अब राशन कार्ड धारकों को 90% तक खड़ा (साबुत) चावल मिलेगा। सरकार ने राइस मिलरों को अपनी मशीनों को अपग्रेड करने के निर्देश दिए हैं ताकि धान की मिलिंग के समय चावल कम से कम टूटे। प्रदेश के बीपीएल और एपीएल दोनों ही तरह के राशन कार्ड धारकों को इस उन्नत और बेहतर क्वालिटी वाले चावल का लाभ मिलेगा। लाभार्थियों को मिलने वाले राशन (चावल) की निर्धारित मात्रा पहले जैसी ही रहेगी, केवल उसकी गुणवत्ता को बेहतर किया जा रहा है। कृषि मंत्री के अनुसार, राज्य सरकार फसल विविधीकरण को भी बढ़ावा दे रही है। यदि किसान धान के स्थान पर अपने खेतों में कोई दूसरी फसल लेते हैं, तो उन्हें प्रोत्साहन राशि 11 हजार रुपए से बढ़ाकर 15, 000 रुपये प्रति एकड़ दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करना और तिलहन जैसी दूसरी फसलों का उत्पादन बढ़ाना है।

रेल पार्सल एप : अब घर बैठे बुक करें रेल पार्सल

रायपुर, 30 अक्टूबर। भारतीय रेल पार्सल सेवा को और अधिक सरल, सुविधाजनक एवं ग्राहक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक नई पहल के तहत रेल पार्सल ऐप ङ्क घर से घर तक विकसित किया जा रहा है। यह ऐप मोबाइल (एंड्रॉइड एवं आईओएस) तथा वेबसाइट, दोनों माध्यमों पर उपलब्ध होगा। इस ऐप के सुचारु संचालन एवं देशभर में विस्तार के लिए प्रारम्भिक स्तर पर 8 बड़े शहरों पर लागू किया जाएगा। इस ऐप के माध्यम से ग्राहकों को अपना पार्सल लेकर स्वयं रेलवे पार्सल कार्यालय आने और कागजी औपचारिकताएं पूरी करने की आवश्यकता नहीं होगी। रेलवे के साथ जुड़े लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता ग्राहक के घर या प्रतिष्ठान से पार्सल लेकर स्टेशन तक पहुंचाएंगे (फर्स्ट माइल), रेलवे इसे ट्रेन द्वारा गंतव्य स्टेशन तक ले जाएगी (मिडिल माइल) और वहां से लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता इसे प्राप्तकर्ता के पते तक पहुंचाएंगे (लास्ट माइल)। इस प्रकार एक ही ऐप पर संपूर्ण घर-से-घर तक की सेवा उपलब्ध होगी। प्रारंभिक चरण में यह ऐप देश के 08 प्रमुख शहरों ङ्क दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु एवं पुणे में लागू किया जाएगा। इसके बाद इसे चरणबद्ध रूप से पूरे देश में विस्तारित करने की योजना है।

निगम आयुक्त से व्यापारियों की समस्याओं पर चर्चा



रायपुर, 30 अक्टूबर। कैट के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने आज अमर पारवानी के नेतृत्व में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ रायपुर नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा से मुलाकात कर शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में व्यापारियों को हो रही समस्याओं एवं जनसुविधाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी ने कहा कि बैठक का उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना तथा आपसी समन्वय एवं संवाद के माध्यम से उनके व्यावहारिक समाधान का मार्ग प्रशस्त करना रहा। बैठक में विभिन्न व्यापारिक संगठनों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं से आयुक्त को अवगत कराया।

शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन व निर्माण कार्यों में तेजी लाएं : सीएस

रायपुर, 30 अक्टबर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय उच्चाधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि सीएम हेल्पलाइन 1076 में दर्ज आम जनता की शिकायतों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। निराकरण के पश्चात इसकी जानकारी सुशासन एवं अभिसरण विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए।



राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि आगामी 15 नवंबर से पूर्व सभी फसलों की गिरदावरी का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा कर लिया जाए। इसकी जानकारी प्रत्येक ग्राम की ग्राम सभा में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। यदि किसी किसान के खेत की गिरदावरी छूट जाती है, तो वे ग्राम सभा में आवेदन देकर तत्काल इसे पूर्ण करवा सकते हैं। लोक निर्माण विभाग ने शासकीय भवनों, सड़कों और पुल-पुलियों के अधूरे निर्माण कार्यों को समयसीमा में पूरा किया जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के नल-जल योजनाओं और जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाई जाए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आदिम जाति विकास तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को स्वीकृत सभी निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। नगरीय प्रशासन एवं परिवहन विभाग के नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन के लिए एक सुव्यवस्थित परिवहन कार्ययोजना पर कार्य करने को कहा गया। बैठक के दौरान संस्कृति विभाग के अधिकारियों से राज्योत्सव की तैयारियों की भी विस्तृत जानकारी ली गई। बैठक में पारस पोर्टल के अंतर्गत शामिल प्रमुख एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं, जल जीवन मिशन और अमृत 2.0 योजना में बिना किसी विलंब के प्रगति लाने के निर्देश दिए गए।



कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26